मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 244
सोमवार, 23 मार्च 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

उत्तराखंड में अवैध प्रवासियों के लिए कोई जगह नहीं है : राजनाथ सिंह

उत्तराखंड, 22 मार्च। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली उत्तराखंड सरकार के चार साल पूरे होने पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में राज्य ने अभूतपूर्व विकास देखा है। राजनाथ सिंह नैनीताल के हल्द्वानी स्थित एमबी इंटर कॉलेज ग्राउंड में आयोजित एक कार्यक्रम में सभा को संबोधित कर रहे थे। राजनाथ सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री को 'धुरंधर धामी' कहा जाना चाहिए क्योंकि वे अत्यंत सक्षम हैं और उन्होंने असाधारण कार्य किए हैं। अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड देवताओं की भूमि है और संस्कृति एवं आस्था का केंद्र है। इसलिए राज्य की पवित्रता की रक्षा करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं यहां उपस्थित सभी लोगों से अपील करता हूं कि हमें उत्तराखंड की रक्षा करनी चाहिए। मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि उत्तराखंड में अवैध प्रवासियों के लिए कोई जगह नहीं है। उनके नेतृत्व में 10,000 से अधिक अतिक्रमण हटाए गए हैं।

राजनाथ सिंह ने धामी की सरकार द्वारा चलाई जा रही शिक्षा, रोजगार और अन्य विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की सराहना की। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की केंद्र सरकार ने ही 'वन रैंक, वन पेंशन' योजना लागू की थी, जो पूर्व सैनिकों की लंबे समय से लंबित मांग थी। उन्होंने कहा कि मैं उत्तराखंड सरकार का हमारे पूर्व सैनिकों और शहीदों के परिवारों के प्रति दिखाई गई चिंता के लिए आभार व्यक्त करना चाहता हूं। चाहे उनके परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करना हो, शिक्षा में आरक्षण देना हो, रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना हो या उनके लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को लागू करना हो, पुष्कर सिंह धामी ने हर मोर्चे पर योगदान दिया है और प्रयास किए हैं।

अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव पर भी विचार व्यक्त किया और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सरकार का लक्ष्य ऽसंवाद और कूटनीतिऽ के माध्यम से इनका समाधान करना है।

उन्होंने संभावित ऊर्जा या उर्वरक संकट से निपटने में प्रधानमंत्री के प्रयासों की भी सराहना की, जो उनके अनुसार संघर्ष के कारण उत्पन्न हो सकता था। आज पूरी दुनिया संकट के दौर से गुजर रही है। यह सिर्फ भारत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है। आज भी हमारे प्रधानमंत्री ने कहा है कि युद्ध का समाधान युद्ध से नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीति से निकलेगा। इस वैश्विक समस्या का हल बातचीत और कूटनीतिक प्रयासों से ही निकाला जा सकता है।

मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने राहुल गांधी पर निशाना साधा

केरल, 22 मार्च। केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने शनिवार को राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए उन्हें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'बी-टीम' बताया और भाजपा पर तुष्टीकरण की राजनीति का आरोप लगाया। विजयन के अनुसार, दोनों पार्टियों ने कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) का एक समान तरीके से विरोध किया है और अब वे काफी हद तक एक-दूसरे के साथ मिलजुल कर काम कर रही हैं। केरल के मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधी उन लोगों में से हैं जो अपने अनुभवों से सीखना नहीं चाहते। विजयन ने कहा कि ऐसे लोग दुर्लभ होते हैं और यह उन लोगों के साथ होता है जो आमतौर पर चीजों को समझने में असमर्थ होते हैं और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष इसी श्रेणी में आते हैं।

विजयन ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर देखें तो पता चलता है कि राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस, भाजपा की वास्तविक 'बी-टीम' बन गई है। लेकिन मैं अभी इसके विस्तृत विवरण में नहीं जाऊंगा। विजयन ने आरोप लगाया कि कांग्रेस तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है और इसका उद्देश्य बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक सांप्रदायिकता में लिप्त समूहों का समर्थन हासिल करना है। हालांकि, सीपीआई (एम) और एलडीएफ सांप्रदायिकता के खिलाफ हैं, और उन्होंने कहा कि गठबंधन सांप्रदायिक ताकतों से अलग है। उन्होंने कहा कि सांप्रदायिकता को दूर रखना जरूरी है। जो लोग वोटों को प्राथमिकता देते हैं, वे ऐसा नहीं कर सकते, और यही हाल अब यूडीएफ का है। यूडीएफ सांप्रदायिकता से समझौता करने की तैयारी कर रहा है, जो देश के लिए खतरा है, चाहे वह किसी भी रूप की हो।

उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ कड़ा रुख अपनाना जरूरी है। यही हमारे रुख की खासियत है। हम किसी भी सांप्रदायिक ताकत से समझौता नहीं करेंगे। हम हर तरह की सांप्रदायिकता के खिलाफ हैं। विजयन ने यह भी कहा कि गांधी, जो लोकसभा में विपक्ष के नेता भी हैं, ने आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर गंभीर आरोप लगाए थे, लेकिन दिल्ली की एक अदालत ने पूर्व दिल्ली मुख्यमंत्री और अन्य लोगों के खिलाफ सभी आरोपों को खारिज कर दिया, जिसे उन्होंने कांग्रेस नेता के लिए एक बड़ा झटका बताया।

बीजेपी ने पुडुचेरी विधानसभा चुनाव के लिए नौ उम्मीदवारों की सूची की जारी

पुडुचेरी, 22 मार्च। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नौ अप्रैल को होने वाले पुडुचेरी विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को नौ उम्मीदवारों की सूची जारी की। पार्टी ने कालापेट से पी एम एल कल्याणसुंदरम और तिरुनल्लार से जी एन एस राजशेखरन को उम्मीदवार बनाया है। सूची के अनुसार, ए. नमसिवायम को मन्नादीपेट, वी पी रामलिंगम को राजभवन और ए जॉनकुमार को मुदलियारपेट सीट से चुनावी मैदान में उतारा गया है। मानवेली सीट से ए. आर. सेल्वम, नेरावी टी आर पट्टिनम से टी. के. एस. एम. मीनाक्षीसुंदरम और माहे से ए. दिनेशन चुनाव लड़ेंगे।

अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित ऊसुदु सीट से ई थीप्पैनथन को उम्मीदवार बनाया गया है। पुडुचेरी में सत्तारूढ़ ऑल इंडिया एन. आर. कांग्रेस (एआईएनआरसी) और भाजपा-अन्नाद्रमुक (ऑल इंडिया द्रविड़ मुनेत्र कषगम) गठजोड़ ने विधानसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे को शुक्रवार को अंतिम रूप दे दिया था जिसके तहत एआईएनआरसी 16 सीट पर अपने प्रत्याशी उतारेगी और भाजपा शेष 14 सीट पर चुनाव लड़ेगी। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री और एआईएनआरसी नेता एन. रंगासामी और भाजपा नेता एवं केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया की बैठक के बाद इस व्यवस्था पर सहमति बनी। एआईएनआरसी सूत्रों के अनुसार, भाजपा ने अपने कोटे की 14 सीट में से अन्नाद्रमुक और लक्ष्य जननायगा काची (एलजेके) को दो-दो सीट दी हैं। हालांकि, रंगासामी शुरू से ही यह कहते रहे हैं कि जोस चार्ल्स मार्टिन के नेतृत्व वाली एलजेके को केंद्र शासित प्रदेश में एआईएनआरसी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल नहीं किया जाना चाहिए लेकिन केंद्रीय मंत्री के साथ बातचीत के बाद मुख्यमंत्री एलजेके को गठबंधन में शामिल करने के लिए सहमत हो गए।

वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में, एआईएनआरसी ने 16 सीट पर चुनाव लड़ा था और 10 सीट जीती थीं। भाजपा ने नौ सीटों पर चुनाव लड़ा था और छह सीट जीती थीं। अन्नाद्रमुक ने पांच सीट पर चुनाव लड़ा था लेकिन एक भी सीट नहीं जीत पाई थी। केंद्र शासित प्रदेश की 30 सीट पर एक ही चरण में मतदान नौ अप्रैल को होगा और नतीजे चार मई को घोषित किए जाएंगे।

पश्चिम एशिया में युद्ध के बढ़ते खतरे पर पीएम मोदी की बड़ी बैठक

नई दिल्ली, 22 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को राजधानी दिल्ली में एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच भारत की स्थिति की समीक्षा की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य देश में पेट्रोल, कच्चा तेल, गैस, बिजली और खाद जैसी जरूरी चीजों की सप्लाई को बिना किसी रुकावट के जारी रखना है।

प्रधानमंत्री आवास पर हुई इस बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर समेत कैबिनेट के कई वरिष्ठ मंत्री शामिल हुए। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि वह वैश्विक हालातों पर नजर रखते हुए देश की ऊर्जा सुरक्षा और आम जनता के हितों की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठा रही है।

देश में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की सप्लाई को सामान्य बनाए रखने के लिए सरकार ने कई बड़े फैसले लिए हैं। घबराहट में की जाने वाली बुकिंग में अब कमी आई है। सरकार ने राज्यों के लिए कमर्शियल गैस का कोटा बढ़ा दिया है, जिसमें अस्पताल और शिक्षण संस्थानों को प्राथमिकता दी जा रही है।

साथ ही, घरेलू और कमर्शियल उपभोक्ताओं को नए पाइप वाली गैस कनेक्शन देने में तेजी लाने की सलाह दी गई है। गैस की कालाबाजारी और जमाखोरी रोकने के लिए देशभर में लगातार छापेमारी की जा रही है। राहत की बात यह है कि अमेरिका के टेक्सास से रसोई गैस लेकर एक बड़ा जहाज मंगलुरु बंदरगाह पहुंच चुका है, जिससे सप्लाई में सुधार होगा।

यह समीक्षा बैठक ऐसे समय में हुई है जब होर्मु जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण व्यापारिक रास्तों पर युद्ध के कारण तनाव चरम पर है। 28 फरवरी को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद से इलाके में संघर्ष काफी बढ़ गया है, जिसका असर अंतरराष्ट्रीय बाजार पर पड़ा है। औद्योगिक डीजल की कीमतों में 25 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी हुई है और यह 109.59 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गया है। हालांकि, जहाजरानी मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि खाड़ी क्षेत्र में मौजूद सभी 22 भारतीय जहाज और 611 नाविक पूरी तरह सुरक्षित हैं। सरकार ने दोहराया है कि भारतीय समुदाय की सुरक्षा और देश की आर्थिक स्थिरता उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जयराम रमेश ने पीएम मोदी पर निशाना साधा

नई दिल्ली, 22 मार्च। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शनिवार को केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर हमले के बाद जारी संघर्ष पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। उन्होंने सरकार के इस रुख को नैतिक कायरता और भारत के सभ्यतागत मूल्यों के साथ राजनीतिक विश्वासघात बताया। पर एक पोस्ट में रमेश ने सरकार के रुख पर सवाल उठाते हुए कहा कि ईरान पर हवाई हमले को तीन सप्ताह से अधिक समय बीत चुका है।

रमेश ने आरोप लगाया कि केंद्र ने न तो हमलों की निंदा की है और न ही क्षेत्र में तनाव कम करने के लिए कोई राजनयिक पहल की है। उन्होंने लिखा कि अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर हवाई हमले को शुरू हुए ठीक 21 दिन या तीन सप्ताह हो चुके हैं। प्रधानमंत्री की इजरायल यात्रा से लौटे भी 23 दिन हो चुके हैं।

क्या मोदी सरकार ने अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए इस भीषण हवाई हमले की निंदा, आलोचना या विरोध किया है, जिसके कारण भारत सहित हर जगह गंभीर आर्थिक संकट पैदा हो गया है? जवाब है नहीं। उन्होंने सवाल किया कि अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर हवाई हमले शुरू हुए ठीक 21 दिन या तीन सप्ताह हो चुके हैं। प्रधानमंत्री की इजराइल यात्रा से वापसी को भी 23 दिन हो चुके हैं, जिसका खूब प्रचार किया गया था। क्या मोदी सरकार ने इस भारी हवाई हमले की निंदा, आलोचना या विरोध किया है? उन्होंने आगे पूछा कि क्या मोदी सरकार ने अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के शीर्ष नेताओं की लक्षित हत्याओं की निंदा, आलोचना या निंदा की है, जो लगातार जारी हैं?

असम चुनाव से पहले बीजेपी में बगावत

असम। असम में 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी के भीतर टिकट बंटवारे को लेकर भारी असंतोष पैदा हो गया है। कई मौजूदा विधायकों और वरिष्ठ नेताओं ने टिकट न मिलने पर पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और निर्दलीय चुनाव लड़ने की धमकी दी है।इस संकट को टालने के लिए मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया नाराज नेताओं को मनाने की कोशिशों में जुटे हैं। विवाद की मुख्य वजह कांग्रेस से आए नेताओं को तुरंत टिकट देना और पुराने समर्पित कार्यकर्ताओं की अनदेखी करना बताया जा रहा है।

सबसे तीखा विरोध दिसपुर निर्वाचन क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। वरिष्ठ नेता जयंत दास, जो इस सीट से प्रबल दावेदार थे, ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के खिलाफ सीधा विद्रोह कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस से आए करीबियों को तरजीह देकर भाजपा को 'कांग्रेस-भाजपा' बना दिया गया है। जयंत दास ने पार्टी छोड़ दी है और वे निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर मैदान में उतर सकते हैं। इसी तरह बिहपुरिया सीट पर मौजूदा विधायक अमिया कुमार भुइंया की जगह कांग्रेस से आए भूपेन बोरा को टिकट देने से भी स्थानीय कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश है। पार्टी ने कई बड़े चेहरों के टिकट काट दिए हैं, जिनमें वरिष्ठ नेता अतुल बोरा और पूर्व मंत्री सिद्धार्थ भट्टाचार्य शामिल हैं। अतुल बोरा 1985 से राजनीति में सक्रिय हैं और दो बार भाजपा विधायक रह चुके हैं।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

सुसाइड के लिए उकसाने के आरोप में मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर की कुर्सी गई

पंजाब। पंजाब के पूर्व परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर इस समय एक बड़े राजनीतिक विवाद के केंद्र में हैं। अमृतसर में तैनात स्टेट वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के जिला प्रबंधक गगनदीप सिंह रंधावा की कथित आत्महत्या के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भुल्लर से इस्तीफा मांग लिया है। रंधावा ने मरने से पहले एक वीडियो रिकॉर्ड किया था, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री भुल्लर ने उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया और जान देने पर मजबूर किया। इस वीडियो के वायरल होने के बाद विपक्ष ने सरकार को घेर लिया, जिसके जवाब में निष्पक्ष जांच के लिए यह कदम उठाया गया है।

प्रथम पुण्यतिथि

स्वर्गीय स्मृतिशेष श्री चंद्रशेखर शुक्ल -बेबी भइया
28 मार्च 1962 - 2 अप्रैल 2025

लोकाधिकार सेवा समिति के संस्थापक एवं पूर्व
राष्ट्रीय अध्यक्ष,
लोकप्रिय एवं सुविख्यात समाजसेवी
स्मृतिशेष श्री चंद्रशेखर आर. शुक्ल 'बेबी भइया' जी
की प्रथम पुण्यतिथि पर
भावपूर्ण श्रद्धांजलि।

दिनांक: 23 मार्च (सोमवार)

श्रद्धानवत
प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल
(राष्ट्रीय अध्यक्ष, लोकाधिकार सेवा समिति)

प्रशांत चंद्रशेखर शुक्ल "पी.के."

राहुल चंद्रशेखर शुक्ल(ब्लॉक प्रमुख, जयसिंहपुर)

7666426565, 9833464441, 9506667200

धर्मक्रांति का विलक्षण प्रयोग है योगक्षेम वर्ष

-ललित गर्ग

आज का युग विज्ञान, तकनीक और भौतिक प्रगति का युग माना जाता है, लेकिन इसी के साथ यह युग तनाव, असंतोष, हिंसा, युद्ध और मानसिक अशांति का भी युग बन गया है। मनुष्य ने बाहर की दुनिया को जीत लिया, लेकिन अपने भीतर की दुनिया को जीत नहीं पाया। उसने साधन बना लिये, लेकिन साधना भूल गया; उसने सुविधा पा ली, लेकिन शांति खो दी। ऐसे समय में यदि कोई आध्यात्मिक आंदोलन मनुष्य को अपने भीतर की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है, तो वह केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि धर्म क्रांति का आधार बन जाता है। इसी संदर्भ में जैन धर्म एवं दर्शन की तप, त्याग, साधना और अहिंसा की महान परंपरा में एवं महा-संत आचार्य श्री महाश्रमण के सान्निध्य में मनाया जा रहा योगक्षेम वर्ष वास्तव में धर्म क्रांति के नए अध्याय का आधार बनता दिखाई देता है। भारत की धरती पर यह एक ऐसा वर्ष मनाया जा रहा है, जो न संयुक्तराष्ट्र संघ द्वारा घोषित है न किसी राजनीतिक संगठन द्वारा प्रेरित है और न किसी महान पुरुष की स्मृति से जुड़ा हुआ है, इस वर्ष को मनाने का उद्देश्य है सर्वांगीण व्यक्तित्व-निर्माण।

मेरी दो दिन की लाडनूं यात्रा एवं योगक्षेम वर्ष में सहभागिता का सार है कि योगक्षेम वर्ष एक बार फिर धर्मसंघ के अभ्युदय का स्वर्णिम अवसर बन रहा है। जिसका उद्देश्य है अप्राप्त की प्राप्ति एवं प्राप्त का संरक्षण। यह अवसर दृष्टि एवं सोच में बदलाव का माध्यम होगा। जो ज्ञान, दर्शन और चारित्र की साधना में गति प्रदान करेगा। अनेक नवीन एवं पुरातन विषयों का तलस्पर्शी ज्ञान, जिससे वक्तृत्व में गंभीरता आएगी। आधुनिक दुनिया में धर्म को विशेषतः जैन धर्म को युगानुरूप प्रस्तुति देने का यह माध्यम बनेगा। योगक्षेम वर्ष के साथ विकास के तीन अर्थ हैं- आगे बढ़ना, रूकना और पीछे मुड़कर देखना। आगे बढ़ना यानी दुनिया के नवीनतम

धर्म दर्शनों को आत्मसात करना। रूकना यानी अपनी विरासत को खगोलना। पीछे मुड़कर देखना यानी अपनी परम्परा और दर्शन को जीवंत करना। निश्चित तौर पर जैन धर्म के महान तपस्वी, अनुशासनप्रिय, दूरदर्शी और तेजस्वी आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में आध्यात्मिकता और आधुनिकता का अद्भुत संगम बनी जैन विश्व भारती में आज एक नया आध्यात्मिक इतिहास रचा जा रहा है, आध्यात्मिक प्रशिक्षण की एक नई परंपरा विकसित की जा रही है। यह वास्तव में जैन धर्म का एक अनूठा और संभवतः पहला ऐसा व्यापक प्रयोग है, जिसमें वर्षभर तक साधु-साध्वियों के साथ-साथ श्रावक समाज को भी गहन एवं व्यवस्थित रूप से जैन एवं तेरापंथ दर्शन, अध्यात्म, योग, ध्यान, स्वाध्याय, संयम और जीवन मूल्यों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जैन, बौद्ध और वैदिक तीनों ही परंपराओं में योगक्षेम शब्द प्रयुक्त हुआ है। यह विशेष अर्थवत्ता का संवाहक है। तेरापंथ धर्मसंघ ने इसे नया संदर्भ दिया है। प्रज्ञा या अन्तर्दृष्टि के जागरण से अनुबंधित किया है। योगक्षेम वर्ष का अर्थ भी अत्यंत गहरा और व्यापक है। योग का अर्थ केवल योगासन या शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आत्मसंयम, ध्यान, साधना, तप, स्वाध्याय, अनुशासन और आत्मजागरण है। क्षेम का अर्थ है आत्मकल्याण, मानसिक शांति, संतुलन, सुरक्षा और आध्यात्मिक उन्नति। इस प्रकार योगक्षेम वर्ष का उद्देश्य है-व्यक्ति के भीतर योग अर्थात आत्मसंयम और साधना का विकास हो तथा उसके जीवन में क्षेम अर्थात शांति, संतोष और आध्यात्मिक कल्याण स्थापित हो। जब व्यक्ति का जीवन संतुलित और शांत होगा, तभी समाज में शांति आएगी और जब समाज शांत होगा, तभी विश्व में शांति संभव होगी। आचार्य तुलसी के समय में भी साधना, योग और आध्यात्मिक जागरण से जुड़े इस योगक्षेम वर्ष की विशेष आयोजना हुई थी। उस समय के प्रयोगों की सफलता और सार्थकता को देखते हुए अब उसी परंपरा को नए स्वरूप में पुनः प्रारंभ किया गया है। यह परंपरा और नवाचार का सुंदर समन्वय है, जहाँ पुरानी साधना परंपरा आधुनिक धर्म-समाज की आवश्यकताओं के अनुसार नए रूप में सामने आ रही है। यही जीवंत धर्म की पहचान है कि वह समय के साथ अपने स्वरूप को समाज के हित में विकसित करता रहे।

आज विश्व जिस दौर से गुजर रहा है, वह अत्यंत चिंताजनक है। दुनिया के अनेक हिस्सों में युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, असहिष्णुता, मानसिक तनाव, अवसाद, पारिवारिक विघटन और पर्यावरण संकट जैसी समस्याएँ बढ़ती जा रही हैं। विज्ञान और तकनीक इन समस्याओं का पूर्ण समाधान नहीं दे सकते, क्योंकि ये समस्याएँ बाहरी नहीं, बल्कि मनुष्य के मन से जुड़ी हुई हैं। जब तक मनुष्य के भीतर शांति नहीं होगी, तब तक बाहर शांति संभव नहीं है। इसलिए आज दुनिया को हथियारों से ज्यादा ध्यान की जरूरत है, प्रतिस्पर्धा से ज्यादा करुणा की जरूरत है, और भौतिकता से ज्यादा आध्यात्मिकता की जरूरत है। योगक्षेम वर्ष इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो मनुष्य को अपने भीतर की यात्रा करने के लिए प्रेरित करता है। योगक्षेम वर्ष के माध्यम से संदेश दिया जा रहा है कि धर्म केवल सुनने की चीज नहीं, बल्कि जीवन में धारण करने एवं जीवन को बदलने की चीज है; धर्म केवल मानने की चीज नहीं, बल्कि जीने की चीज है। यदि व्यक्ति अपने जीवन में थोड़ा संयम, थोड़ा ध्यान, थोड़ा स्वाध्याय, थोड़ा त्याग और थोड़ा प्रेम जोड़ ले, तो उसका जीवन स्वयं बदल सकता है। यही छोटा परिवर्तन आगे चलकर समाज में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। इसलिए योगक्षेम वर्ष वास्तव में व्यक्ति परिवर्तन से समाज परिवर्तन और समाज परिवर्तन से राष्ट्र एवं विश्व परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

योगक्षेम वर्ष के कार्यक्रमों को ह्वप्रज्ञापर्वह्न नाम से अभिहित किया गया क्योंकि प्रज्ञा का जागरण इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था। ह्वपण्णा समिक्खएह्न इस आगम सूक्त को प्रतीक के रूप में रखा गया। इस विलक्षण प्रयोग एवं प्रशिक्षण के पीछे पूज्य आचार्य श्री महाश्रमण का लक्ष्य या संकल्प है- ह्वचतुर्विध धर्मसंघ के व्यक्तित्व का निर्माण करना, उनकी बौद्धिक क्षमता को बढ़ाना, भावनात्मक विकास करना, स्वभाव-परिवर्तन की कला सिखाना और प्रायोगिक जीवन जीना सिखाना, एक वाक्य में कहा जाए तो आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण करना। पूरे वर्ष प्रशिक्षणार्थी को अनेक विषयों के ज्ञान के साथ योगासन, ध्यान, कायोत्सर्ग, जप, अनुप्रेक्षा, मंत्र साधना आदि के प्रयोग भी कराए जा रहे हैं। यदि मनुष्य अहिंसा को अपनाए, तो युद्ध समाप्त हो सकते हैं; यदि अनेकांत को अपनाए, तो विवाद समाप्त हो सकते हैं; यदि अपरिग्रह को अपनाए, तो आर्थिक और पर्यावरण संकट कम हो सकते हैं। इस प्रकार जैन धर्म का दर्शन केवल धार्मिक दर्शन नहीं, बल्कि विश्व शांति का दर्शन है, और योगक्षेम वर्ष उसी दर्शन को व्यवहार में उतारने का प्रयास है।

आचार्य श्री महाश्रमण की दूरदर्शी सोच, उनका अनुशासन, उनका साधना-प्रधान जीवन और समाज को आध्यात्मिक दिशा देने का उनका प्रयास वास्तव में अद्वितीय है। उन्होंने धर्म को केवल परंपरा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जीवन और समाज से जोड़ा। समय को बांधने की अद्भुत खूबी है उनमें। कम समय में अधिक काम। वह भी इतनी सहजता और निर्भरता से सम्पादित कर लेने की सामर्थ्य, उनकी कार्य व्यस्तता कभी व्यग्रता में नहीं बदलती। यह सब इसीलिए हो सकता है कि उनकी प्रत्येक प्रवृत्ति निवृत्ति से निथर कर आती है। उनकी क्रियाशीलता आंतरिक स्थिरता स्थितप्रज्ञता से अभिनिःसृत होती है। उन्होंने साधना को केवल साधु-साध्वियों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि श्रावक समाज तक पहुँचाने का प्रयास किया। योगक्षेम वर्ष उसी दूरदृष्टि और आध्यात्मिक सोच का परिणाम है, जो आने वाले समय में जैन धर्म ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकता है। वास्तव में योगक्षेम वर्ष को जैन धर्म के इतिहास में एक स्वर्णिम दौर की शुरूआत के रूप में देखा जा सकता है। यह वर्ष साधना का वर्ष है, आत्मजागरण का वर्ष है, संयम का वर्ष है, चरित्र निर्माण का वर्ष है, और सबसे बढ़कर यह धर्म क्रांति का वर्ष है। यदि इस वर्ष का संदेश जन-जन तक पहुँचे, लोग योग, ध्यान, संयम, अहिंसा, शांति और प्रेम को अपने जीवन में अपनाएँ, तो समाज में एक नया परिवर्तन आ सकता है। तब धर्म केवल मंदिरों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में दिखाई देगा। साररूप में यही कहा जा सकता है कि योगक्षेम वर्ष केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक विचार है; केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक आंदोलन है; केवल एक वर्ष नहीं, बल्कि एक युग परिवर्तन की शुरूआत है। यह वास्तव में धर्म क्रांति के नए अध्याय का आधार है, जो मनुष्य को बाहर से भीतर की यात्रा की ओर ले जाने का प्रयास कर रहा है। आचार्य श्री महाश्रमण एवं साध्वीप्रमुखा विश्रुतविभा के संचेतन पुरुषार्थ की सार्थकता इसी में है कि इनके मार्गदर्शन में हम प्रगति की महती मंजिलें तय करते हुए चैतन्य जागरण के नये आयाम में प्रवेश करें। यदि यह प्रयास सफल होता है, तो निश्चित रूप से आने वाला समय आध्यात्मिक जागरण, अहिंसा, शांति और प्रेम का समय होगा, और यही इस योगक्षेम वर्ष की सबसे बड़ी सार्थकता और सफलता होगी।

सिन्धी समाज को गोरवान्तिक करते है शहीद हेमू कालानी

अशोक भाटिया

23 मार्च -आज जिनका जन्म दिन है

कौन सोच सकता था कि सिंधी लोग भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में शामिल थे? क्या सिंधी लोग एक विचित्र, धन-लोभी, शोषक और असभ्य समुदाय नहीं थे? सिन्धीयों ने आजादी के लिए न अपना देश छोड़ा परन्तु इतिहास गवाह है कि देश की आजादी में सिंधियों का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। विभाजन के बाद, सिंधी समुदाय ने न केवल अपनी पहचान बनाए रखी, बल्कि भारत के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सिंधी समुदाय के कई सदस्यों ने स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भाग लिया और देश के लिए बलिदान दिया। आजादी की लड़ाई में भारत के सभी प्रदेशो का योगदान रहा। अंग्रेजो को भारत से भगा कर देश को जिन वन्दनीय वीरो ने आजाद कराया उनमे सबसे कम उम्र के बालक क्रांतिकारी अमर शहीद हेमू कालाणी को भारत देश कभी नही भुला पायेगा। हेमू कालाणी सिन्ध के सख्खर में 23 मार्च सन 1923 में जन्में थे।

उनके पिताजी का नाम पेसूमल कालाणी एवं उनकी मां का नाम जेठी बाई था।हेमू बचपन से साहसी तथा विद्यार्थी जीवन से ही क्रांतिकारी गतिविधियों में सक्रिय रहे। हेमू कालाणी जब मात्र 7 वर्ष के थे तब वह तिरंगा लेकर अंग्रेजो की बस्ती में अपने दोस्तों के साथ क्रांतिकारी गतिविधियों का नेतृत्व करते थे। 1942 में 19 वर्षीय किशोर क्रांतिकारी ने अंग्रेजो भारत छोड़ो नारे के साथ अपनी टोली के साथ सिंध प्रदेश में तहलका मचा दिया था और उसके उत्साह को देखकर प्रत्येक सिंधवासी में जोश आ गया था।

बताया जाता है कि जब वह मात्र सात वर्ष के थे, तभी तिरंगा लेकर अंग्रेजों की बस्ती में चले जाते थे और अपने मित्रों के साथ निर्भीक होकर सभाएं करते थे। वह पढ़ाई-लिखाई में अच्छे होने के अलावा अच्छे तैराक तथा धावक भी थे। वह तैराकी में कई बार पुरस्कृत हुए थे। आठ अगस्त,1942 को गांधी जी ने अंग्रेजो भारत छोड़ो तथा करो या मरो का नारा दिया।

गांधी जी का कहना था कि या तो स्वतंत्रता लेंगे या फिर जान दे देंगे। अंग्रेजों को जाना ही होगा। इससे देश की जनता अंग्रेजों के विरुद्ध उद्वेलित हो गई थी और क्रांतिकारी गतिविधियां तेज हो गई थीं। फलतः ब्रिटिश सरकार क्रांतिकारियों का दमन करने लगी। सिंध प्रांत में जब यह आंदोलन तीव्र हुआ तो किशोरों व नवयुवकों के साथ हेमू कालाणी भी स्वराज सेना के जरिए मुख्य भूमिका में इससे जुड़ गए।8 अगस्त 1942 को गांधी जी ने अंग्रेजों के विरुद्ध भारत छोडो आन्दोलन तथा करो या मरो का नारा दिया। इससे पूरे देश का वातावरण एकदम गर्म हो गया। गांधी जी का कहना था कि या तो स्वतंत्रता प्राप्त करेंगे या इसके लिए जान दे देंगे। अंग्रेजों को भारत छोड कर जाना ही होगा। जनता तथा ब्रिटिश सरकार के बीच लडाई तेज हो गई। अधिकांश कांग्रेसी नेता पकड पकड कर जेल में डाल दिए गए।

इससे छात्रों, किसानों, मजदूरों, आदमी, औरतों व अनेक कर्मचारियों ने आन्दोलन की कमान स्वयं सम्हाल ली।

पुलिस स्टेशन, पोस्ट आफिस, रेलवे स्टेशन आदि पर आक्रमण प्रारंभ हो गए। जगह जगह आगजनी की घटनाएं होने लगी। गोली और गिरफ्तारी के दम पर आंदोलन को काबू में लाने की कोशिश होने लगी। हेमू कालानी सर्वगुण संपन्न व होनहार बालक था,जो जीवन के प्रारंभ से ही पढाई लिखाई के अलावा अच्छा तैराक,तीव्र साईकिल चालक तथा अच्छा धावक भी था। वह तैराकी में कई बार पुरस्कृत हुआ था। सिंध प्रान्त में भी तीव्र आन्दोलन उठ खडा हुआ तो इस वीर युवा ने आंदोलन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

हेमू ने अंग्रेजो, भारत छोड़ो नारे के साथ सिंधवासी में जोश और स्वाभिमान भर दिया। वे विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार एवं स्वदेशी अपनाने का स्वावलंबन सूत्र भी देशवासियों को दे रहे थे। विदेशी हुकूमत को उखाड़ फेंकने का संकल्प लेकर वह स्वतंत्रता आंदोलन की सक्रिय गतिविधियों में शामिल हो गए। हेमू समस्त विदेशी वस्तुओ का बहिष्कार करने के लिए लोगो से अनुरोध किया करते थे। शीघ्र ही सक्रिय क्रान्तिकारी गतिविधियों में शामिल होकर उन्होंने हुकुमत को उखाड़ फेंकने के संकल्प के साथ राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम के क्रियाकलापों में भाग लेना शूरू कर दिया। अत्याचारी फिरंगी सरकार के खिलाफ छापामार गतिविधियों एवं उनके वाहनों को जलाने में हेमू सदा अपने साथियों का नेतृत्व करते थे।एक दिन गोपनीय सूत्रों से सिंध के क्रांतिकारियों को जानकारी मिली कि बलूचिस्तान में चल रहे उग्र आंदोलन को कुचलने के लिए 23 अक्टूबर,1942 की रात अंग्रेज सैनिकों, हथियारों व बारूद से भरी रेलगाड़ी सिंध के रोहिणी स्टेशन से रवाना होकर सक्खर शहर से गुजरती हुई बलूचिस्तान के क्वेटा नगर जाएगी। यह समाचार सुनकर सक्खर के 19 वर्षीय छात्र हेमू कालाणी ने रेलगाड़ी को गिराने का दायित्व अपने ऊपर लिया,जिसमें उनके साथ दो सहयोगी नंद और किशन भी थे। रेलगाड़ी गुजरने से पहले ही तीनों नवयुवक एक सुनसान स्थल पर पहुंचे। हेमू कालाणी ने रिंच और हथौड़े की सहायता से रेल की पटरियों की फिशप्लेटों को उखाड़ना शुरू कर दिया। अन्य दो साथी निगरानी कर रहे थे। रात की निस्तब्धता में हथौड़ा चलाने की आवाजें दूर तक जा रही थीं। उसे सुनकर दूर गश्त कर रहे सिपाही दौड़कर आए। नंद और किशन तो वहां से भाग कर छिप गए,मगर हेमू कालाणी को उन्होंने पकड़ लिया। जेल में लाकर उन पर कोड़े बरसाए गए और उनसे दो सहयोगियों का नाम पूछा गया। हेमू का हर बार यही उत्तर होता था, मेरे दो साथी थे–रिंच और हथौड़ा। सक्खर की मार्शल ला कोर्ट ने देशद्रोह के अपराध में 19 वर्ष कुछ माह होने के कारण हेमू कालाणी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अनुमोदन के लिए निर्णय हैदराबाद (सिंध) स्थित सेना मुख्यालय के प्रमुख अधिकारी कर्नल रिचर्डसन के पास भेजा गया। ब्रिटिशराज का खतरनाक शत्रु करार देते हुए कर्नल रिचर्डसन ने हेमू कालाणी की सजा को फांसी में बदल दिया। फाँसी के दिन, हेमू से पूछा गया कि क्या उनकी कोई आखिरी इच्छा है, तो उन्होंने जवाब दिया कि वे नारे लगाते हुए फाँसी की सीढ़ियाँ चढ़ना चाहते हैं और चाहते हैं कि वहाँ मौजूद सरकारी अधिकारी भी इन नारों का जवाब जोर से दें। हेमू के भाई के अनुसार, हेमू ने फाँसी के फंदे की ओर बढ़ते हुए ह्वइंकलाब ज़िंदाबादह्न, यूनियन जैक मुदार्बाद और वंदे मातरम के नारे लगाए। 21 जनवरी, 1943 को प्रातः सात बजकर 55 मिनट पर हेमू कालाणी को फांसी पर लटकाया गया था। बताया जाता है कि हेमू ने इंकलाब-जिंदाबाद और भारत माता की जय के नारे लगाते हुए खुद अपने हाथों से फंदा गले में डाला,मानो फूलों की माला पहन रहे हों। मात्र 19 वर्ष की आयु में अमर शहीद हेमू कालाणी का प्राणोत्सर्ग सदैव याद रखा जाएगा।

हेमू कालाणी को भारत सरकार ने शहीद का दर्जा दिया और 1983 में उनके 60वें जन्मदिन और फांसी के 40 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। गर्व की बात है कि अमर शहीद हेमू कालाणी की याद में भारत सरकार की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1984 में डाक टिकट जारी की। उन्हें सिंध का भगत सिंह भी कहा जाता है। डाक टिकट के अनावरण समारोह में, हेमू की माँ जेठी बाई, भगत सिंह की माँ के साथ बैठी थीं, जो दो क्रांतिकारियों की माताओं के बीच एक बेहद मार्मिक बातचीत साबित हुई। भारत के अखबारों ने दोनों महिलाओं की एक तस्वीर प्रकाशित की, जिसका शीर्षक था, सिंध माता और पंजाब माता। सूमरो की हेमू के भाई से हुई बातचीत के अनुसार, भगत सिंह की माँ ने जेठी बाई से कहा, आपका बेटा मेरे बेटे से भी महान है क्योंकि उसने अपनी कोमल जवानी मातृभूमि के लिए कुर्बान कर दी।

21 अगस्त 2003 में सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सुरेश केसवानी के अथक प्रयास से भारत के संसद भवन में हेमू कालाणी की आदम कद की प्रतिमा का तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवानी, सोनिया गांधी, मनमोहन सिंह खुराना, लोकसभा अध्यक्ष मुरली मनोहर जोशी जैसे वरिष्ठ राजनेताओं की उपस्थिति में स्थापित की गई। देश की सडकों का नामकरण, धर्मशालाएं, कालोनियां, स्कूल आदि हेमू कालाणी के नाम पर रखे गए। दिल्ली में हेमू कलानी यादगार मंडल की स्थापना की गई और आज यह महिलाओं के लिए एक महाविद्यालय के रूप में कार्य करता है। इसके अतिरिक्त, उल्हासनगर में व मुंबई के चेम्बूर में एक सार्वजनिक चौक का नाम हेमू के नाम पर रखा गया है और भारत के विभिन्न शहरों में एक दर्जन से ज्यादा सड़कें और शैक्षणिक संस्थान उनके नाम पर हैं।

1943 में, जब नेहरू कराची आए थे , तो उन्होंने विशेष रूप से सुक्कुर का दौरा किया और हेमू की माँ से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज के कैप्टन गुरबख्श सिंह ढिल्लों ने जेठी बाई को उनके बेटे के बलिदान के सम्मान में एक स्वर्ण पदक प्रदान किया । लेकिन अफसोस अपने ही जन्मस्थान सुक्कुर (अब पाकिस्तान) में उन्हें सार्वजनिक मान्यता नहीं मिल पाई है।अपनी धरती का इतिहास पढ़ते समय, पाकिस्तानियों को हेमू कलानी के कारनामों और सिंध में ब्रिटिश शासन के विरुद्ध प्रतिरोध आंदोलन में उनके योगदान के बारे में नहीं पढ़ाया जाता। यह ऐतिहासिक बहिष्कार हमारे सामूहिक अतीत के कुछ तत्वों को मिटाने की उत्सुकता को भी दर्शाता है। यह प्रवृत्ति हाल ही में पूरी तरह से स्पष्ट हुई जब सुक्कुर में सिंधु नदी के तट पर स्थित हेमू कलानी पार्क का नाम बदलकर अरब विजेता के नाम पर मुहम्मद बिन कासिम पार्क कर दिया गया।

गंगा की चीखः मुझे योजनाएं नहीं, नालों से आजादी चाहिएः प्रो. विश्वम्भरनाथ मिश्र

-सुरेश गांधी

गंगा, जिसे हम मां कहते हैं, पूजते हैं, जिसके जल को अमृत मानते हैं, आज वही गंगा हमारे ही बनाए नालों में घुट रही है। सवाल सिर्फ प्रदूषण का नहीं, बल्कि उस सोच का है जिसने गंगा सफाई को एक ह्वप्रोजेक्टह्न बना दिया, जबकि यह एक सतत जिम्मेदारी थी। हजारों करोड़ रुपये बहाए गए, घाट चमकाए गए, योजनाओं के उद्घाटन हुए, लेकिन गंगा का जल अब भी कई जगहों पर सिसकता हुआ दिखता है। क्या सच में गंगा को पैसे की जरूरत है? या उस ईमानदार व्यवस्था की, जो हर दिन गिरते लाखों लीटर सीवेज को उसकी धारा तक पहुंचने से पहले रोक सके? यही सवाल जब जमीनी हकीकत से टकराता है, तो जवाब चौंकाता भी है और झकझोरता भी। वाराणसी से लेकर कानपुर तक, गंगा की पीड़ा का असली कारण अब किसी से छिपा नहीं, 90 फीसदी प्रदूषण नालों और उद्योगों से, और मात्र 10 फीसदी आमजन की गतिविधियों से। फिर भी दोष अक्सर आस्था पर मढ़ दिया जाता है, जबकि असल अपराधी व्यवस्था की खामियां हैं। इसी कड़वे सच को सामने रखते हुए, एक ऐसा संवाद सामने आता है जहां आस्था और विज्ञान आमने-सामने नहीं, बल्कि साथ खड़े नजर आते हैं। यह सिर्फ सवाल-जवाब नहीं, बल्कि उस सच्चाई का आईना है, जिसमें गंगा की दुर्दशा भी दिखती है और उसका समाधान...

गंगा... यह सिर्फ एक नदी नहीं, बल्कि भारतीय चेतना, संस्कृति और अस्तित्व का आधार है। लेकिन आज वही गंगा प्रदूषण की मार से कराह रही है। करोड़ों की योजनाएं, हजारों करोड़ का बजट, लेकिन हालात जस के तस, तो आखिर कमी कहां है? इन्हीं सवालों को लेकर वरिष्ठ पत्रकार सुरेश गांधी ने बातचीत की संकट मोचन फाउंडेशन के अध्यक्ष, संकट मोचन मंदिर के महंत और आईआईटी बीएचयु में इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर विश्वम्भरनाथ मिश्र से। यह संवाद सिर्फ सवाल-जवाब नहीं, बल्कि गंगा के भविष्य का वैज्ञानिक और सामाजिक विश्लेषण है।

सुरेश गांधी : गंगा की सफाई पर हजारों करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं, लेकिन जमीनी स्थिति संतोषजनक नहीं है। क्या गंगा को साफ करने के लिए और पैसे की जरूरत है या कुछ और?

प्रो. विश्वम्भरनाथ मिश्र : देखिए, यह सबसे बड़ा भ्रम है कि गंगा को पैसे से साफ किया जा सकता है। गंगा की सफाई ह्वप्रोजेक्टह्न नहीं, ह्वप्रोसेसह्न है। गंगा को किसी केमिकल या मशीन से शुद्ध नहीं किया जा सकता। इसकी अपनी आत्मशुद्धि क्षमता (सेल्फ प्यूरीफिकेशन) है, जो तभी काम करती है जब हम उसे गंदा करना बंद करें। समस्या यह नहीं है कि हमारे पास संसाधन कम हैं, बल्कि समस्या यह है कि हम सही दिशा में काम नहीं कर रहे। जब तक सीवेज और औद्योगिक कचरा गंगा में गिरता रहेगा, तब तक कोई भी बजट, कोई भी योजना बेअसर ही रहेगी।

सुरेश गांधी : आप बार-बार सीवेज की बात कर रहे हैं। क्या वाकई गंगा प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण यही है?

प्रो. मिश्र : बिलकुल। वैज्ञानिक आंकड़े स्पष्ट कहते हैं कि गंगा में आने वाला करीब 85 से 90 फीसदी प्रदूषण सिर्फ सीवेज से आता है। लोग अक्सर धार्मिक गतिविधियों को दोष देते हैं, नहाना, पूजा, फूल-माला आदि, लेकिन यह कुल प्रदूषण का केवल 10 फीसदी भी नहीं है। असल समस्या शहरों का गंदा पानी है, जो बिना ट्रीटमेंट के सीधे गंगा में गिरता है। वाराणसी, कानपुर, प्रयागराज, हर बड़े शहर में यही स्थिति है।

सुरेश गांधी : तो क्या हम कह सकते हैं कि गंगा की सफाई का मतलब है, सीवेज को रोकना?

प्रो. मिश्र : बिलकुल। अगर एक लाइन में कहूं तो, ह्वसीवेज रोक दो, गंगा खुद साफ हो जाएगी।ह्न गंगा की धारा में इतनी शक्ति है कि वह अपने भीतर के जैविक प्रदूषण को खत्म कर सकती है, लेकिन जब हर दिन लाखों लीटर गंदा पानी उसमें डाला जाएगा, तो कोई भी नदी असहाय हो जाएगी।

सुरेश गांधी : सरकार ने कई एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) बनाए हैं। क्या ये पर्याप्त नहीं हैं?

प्रो. मिश्र : एसटीपी बनाना समाधान का सिर्फ एक हिस्सा है, पूरा समाधान नहीं। समस्या यह है कि कई एसटीपी अपनी पूरी क्षमता से काम नहीं कर रहे, कई जगहों पर सीवर लाइन ही नहीं जुड़ी है, रखरखाव (मेंटीनेंस) बेहद कमजोर है यानी आपने मशीन तो लगा दी, लेकिन उसे सही तरीके से चला नहीं पा रहे।

सुरेश गांधी : कानपुर में उद्योगों को गंगा प्रदूषण का बड़ा कारण माना जाता है। इस पर आपकी क्या राय है?

प्रो. मिश्र : कानपुर का उदाहरण बहुत महत्वपूर्ण है। वहां के चमड़ा उद्योग (टेनरी) गंगा में भारी मात्रा में केमिकल छोड़ते रहे हैं। यह सिर्फ पानी को गंदा नहीं करता, बल्कि जलीय जीवन को भी खत्म करता है। हालांकि सरकार ने ईटीपी (इंफ्लूयेंट ट्रीटमेंट प्लांट) लगाए हैं, लेकिन जब तक उनका सख्ती से पालन नहीं होगा, तब तक समस्या बनी रहेगी।

सुरेश गांधी : क्या नमामि गंगे जैसी योजनाएं विफल रही हैं?

प्रो. मिश्र : मैं इसे पूरी तरह विफल नहीं कहूंगा। इस योजना के तहत बहुत काम हुआ है, घाटों का सौंदर्यीकरण, कुछ हद तक सीवर सिस्टम में सुधार। लेकिन समस्या यह है कि हमने दिखने वाले काम ज्यादा किए, असल काम कम। गंगा की सफाई घाटों को सुंदर बनाने से नहीं, बल्कि नालों को रोकने से होगी।

सुरेश गांधी : आप वैज्ञानिक हैं। गंगा प्रदूषण को वैज्ञानिक दृष्टि से कैसे समझते हैं?

प्रो. मिश्र : जब सीवेज गंगा में गिरता है, तो पानी में बीओडी (बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड) बढ़ जाता है। इसका मतलब है कि पानी में ऑक्सीजन कम हो जाती है, जिससे मछलियां मरने लगती हैं, पानी जहरीला हो जाता है, रोग फैलने का खतरा बढ़ जाता है. इसलिए जरूरी है कि हर बूंद गंदे पानी को पहले वैज्ञानिक तरीके से ट्रीट किया जाए।

सुरेश गांधी : तो समाधान क्या है? क्या कोई व्यावहारिक रास्ता है?

प्रो. मिश्र : समाधान बिल्कुल है, लेकिन इसके लिए इच्छाशक्ति चाहिए।

*हर नाले को एसटीपी से जोड़ना होगा

*छोटे-छोटे डिसेंट्रलाइज्ड ट्रीटमेंट सिस्टम लगाने होंगे

*उद्योगों पर सख्त निगरानी

* स्थानीय समुदाय की भागीदारी

सबसे जरूरी है, रोकथाम (प्रीवेंशन), न कि इलाज (ट्रीटमेंट)।

सुरेश गांधी : गंगा के प्रति लोगों की आस्था बहुत गहरी है। क्या यह आस्था समाधान का हिस्सा बन सकती है?

प्रो. मिश्र : बिलकुल। गंगा सिर्फ नदी नहीं, मां है। अगर हर व्यक्ति यह संकल्प ले कि वह गंगा में गंदगी नहीं डालेगा, तो आधी समस्या वहीं खत्म हो जाएगी। लेकिन आस्था के साथ-साथ जिम्मेदारी भी जरूरी है।

सुरेश गांधी : अंत में, आप सरकार और समाज को क्या संदेश देना चाहेंगे?

प्रो. मिश्र : मेरा संदेश बहुत सरल है, गंगा को प्रोजेक्ट मत बनाइए, इसे जीवित इकाई की तरह समझिए। पैसा खर्च करने से ज्यादा जरूरी है, सही दिशा में काम करना। जब तक नालों का पानी गंगा में गिरता रहेगा, तब तक कोई भी योजना सफल नहीं होगी। और सबसे महत्वपूर्ण, ह्वगंगा को बचाना है, तो उसे गंदा करना बंद करना होगा। यह संवाद सिर्फ एक इंटरव्यू नहीं, बल्कि एक चेतावनी है। गंगा को बचाने की लड़ाई भावनाओं से नहीं, बल्कि विज्ञान, प्रबंधन और ईमानदार नीति से जीती जाएगी। आज जरूरत है कि हम यह समझें, गंगा की सफाई कोई ह्वसरकारी योजनाह्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दायित्व है। अगर हम आज नहीं चेते, तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। मां गंगा आज भी बह रही हैं... लेकिन सवाल है, क्या हम उन्हें बहने देंगे या गंदगी में घुटने देंगे?

क्या हमारी शिक्षा प्रणाली में सुधार की जरूरत है?

-विक्रम दयाल

शिक्षा प्रणाली में सुधार एक बहुत बड़ा विषय है, और इसके कई पहलू हैं। आइये, कुछ प्रमुख पहलुओं पर विचार करें। शिक्षा की गुणवत्ताः हमारी शिक्षा प्रणाली में गुणवत्ता की कमी एक बड़ा मुद्दा है। कई स्कूलों में शिक्षकों की कमी है, और जो शिक्षक हैं, वे भी अच्छी तरह से प्रशिक्षित नही होते हैं। पाठ्यक्रमः पाठ्यक्रम अक्सर बहुत अधिक सैद्धांतिक होता है और छात्रों को व्यवहारिक कौशल नही सिखाता। इससे बच्चों को रोजगार के लिए तैयार नही किया जा सकता है। असमताः शिक्षा प्रणाली में असमता एक बड़ा मुद्दा है। शहरों में अच्छे स्कूल हैं, जबकि गांवों में संसाधनों की कमी है। इससे गरीब और अमीर के बीच की खाई बढ़ती जा रही है। *डिजिटल शिक्षाः डिजिटल शिक्षा एक नया पहलू है जो हमारी शिक्षा प्रणाली में आया है। लेकिन अभी भी बहुत से स्कूलों में डिजिटल संसाधनों की कमी है।

इन संसाधनों का समाधान करने के लिए, हमें कुछ बदलाव करने होंगेः शिक्षकों का प्रशिक्षणः शिक्षकों को अच्छी तरह प्रशिक्षित करना होगा ताकि वे छात्रों को अच्छी शिक्षा दे सकें। पाठ्यक्रम में बदलावः पाठ्यक्रम को व्यवहारिक और रोजगार उन्मुख बनाना होगा। संसाधनों की बढ़ोतरीः स्कूलों में संसाधनों की बढ़ोतरी करनी होगी, जैसे की पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, और कंप्यूटर। डिजिटल शिक्षा को बढ़ावाः

डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देना होगा और स्कूलों में डिजिटल संसाधनों की व्यवस्था करनी होगी। जिससे कुछ हद तक शिक्षा प्रणाली में सुधार होंगे। कभी कभी पाठ्यक्रमों में जो खामियाँ रहती है उसे भी हल किया जा सकता है। पाठ्यक्रमों को निर्धारित करनेवाले विद्वान लोग अक्सर अपने अनुभव और ज्ञान के आधार पर निर्णय लेते हैं, लेकिन कभी कभी उनकी व्यक्तिगत राय या पूर्वाग्रह भी इसमें शामिल हो सकते हैं। यह सच है कि पाठ्यक्रमों में कमियाँ पाई जाती है, और इसका एक कारण यह है कि विद्वान लोग अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ होते हैं, लेकिन वे हमेशा शिक्षा के व्यापक पहलुओं को नही समझते हैं। इसके अलावा, पाठ्यक्रमों को निर्धारित करने की प्रक्रिया में अक्सर राजनीतिक और सामाजिक दबाव भी होता है, जो इसकी गुणवत्ता को प्रभावित कर सकता है। इसलिए यह जरूरी है कि पाठ्यक्रमों को निर्धारित करने के लिए एक पारदर्शी और सहभागी प्रक्रिया हो, जिससे शिक्षकों, छात्रों, अभिभावकों, और उद्योग विशेषज्ञों की राय ली जाए। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि पाठ्यक्रम प्रासंगिक, व्यवहारिक, और छात्रों के लिए उपयोगी हों। इसके अलावा पाठ्यक्रमों का नियमित रुप से समीक्षा और अद्यतन करना भी जरूरी है, ताकि वे बदलते समय और आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूल हो सकें। गांवों में शिक्षा का स्तर सुधारने के लिए कई कदम उठाये जा सकते है। यहाँ कुछ सुझाव हैंः- शिक्षकों की भर्तीः गांवों में शिक्षकों की कमी एक बड़ा मुद्दा है। सरकार को गांवों में शिक्षकों की भर्ती करनी चाहिए और उन्हें उचित प्रशिक्षण देना चाहिए। संसाधनों की बढ़ोतरीः गांवों के स्कूलों में संसाधनों की कमी है, जैसे कि पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, कंप्यूटर। सरकार को इन संसाधनों की बढ़ोतरी करनी चाहिए। डिजिटल शिक्षाः डिजिटल शिक्षा एक अच्छा विकल्प हो सकता है, लेकिन इसके लिए गांवों में इंटरनेट और कंप्यूटर की व्यवस्था करनी होगी। शिक्षा की गुणवत्ताः गांवों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित करना होगा और उन्हें नवीनतम शिक्षण पद्धतियों से अवगत कराना होगा। अभिभावकों की भागीदारी : अभिभावकों को भी अपने बच्चों की शिक्षा में भाग लेना होगा और शिक्षकों के साथ मिलकर काम करना होगा। सरकारी योजनाओं का लाभः सरकार ने कई योजनाएं शुरू की है, जैसे कि मध्यान्ह भोजन योजना, लेकिन इन योजनाओं का लाभ गांवों तक पहुँचाना होगा। निजीक्षेत्र की भागीदारीः निजीक्षेत्र को भी गांवों में शिक्षा के क्षेत्र में निवेश करना होगा और सरकारी स्कूलों के साथ मिलकर काम करना होगा। इन कदमों से शिक्षा का स्तर सुधारने में मदद मिल सकती है। लेकिन इसके लिए सरकार, शिक्षकों, अभिभावको, और समाज के सभी वर्गों को मिलकर काम करना होगा। बच्चों को शुरूवात से ही तकनीकी शिक्षा देना एक अच्छा विचार हो सकता है। आज के समय में तकनीकी शिक्षा बहुत ही महत्वपूर्ण है, और बच्चों को इससे परिचित कराने से उन्हें भविष्य में लाभ हो सकता है। शुरूवात से तकनीकी शिक्षा देने के कई फायदे हैंः नवाचार और रचनात्मकताः तकनीकी शिक्षा बच्चों के नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देती है, जिससे वे नये विचारों और समाधानों को विकसित कर सकते हैं। समस्या समाधानः तकनीकी शिक्षा बच्चों को समस्या समाधान के कौशल सिखाती है, जिससे वे वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। भविष्य कि तैयारीः तकनीकी शिक्षा बच्चों को भविष्य के लिए तैयार करती है, जहाँ तकनीकी ज्ञान और कौशल की मांग बढ़ रही है। आवश्यक कौशलः तकनीकी शिक्षा बच्चों को आवश्यक कौशल सिखाती है, जैसे कि कोडिंग, प्रोग्रामिंग, और डिजिटल लिटरसी। लेकिन, यह भी महत्वपूर्ण है कि बच्चों को तकनीकी शिक्षा देते समय उनकी उम्र और विकास को ध्यान मैं रखा जाये। बच्चों को तकनीकी शिक्षा देने के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, जिसमें खेल, कला और अन्य गतिविधियों को भी शामिल किया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए, छोटे बच्चों (5-8 वर्ष) को तकनीकी शिक्षा देने के लिए खेल- आधारित गतिविधियों का उपयोग किया जा सकता है, जैसे की कोडिंग गेम्स और पजल्स। इससे उन्हें तकनीकी अवधारणाओं को समझने मैं मदद मिलेगी और वे मजे के साथ सीखेंगे। बड़े बच्चों (9-12वर्ष) को तकनीकी शिक्षा देने के लिए अधिक जटिल गतिविधियों का प्रयोग किया जा सकता है,जैसे की स्त्रोत प्रोग्रामिंग और रोबोटिक्स। इससे उन्हें तकनीकी कौशल विकसित करने मैं मदद मिलेगी और वे अपने विचारों को वास्तविकता में बदल सकेंगे। और किशोरों (13 वर्ष से अधिक) को तकनीकी शिक्षा देने के लिए अधिक उन्नत गतिविधियों का उपयोग किया जा सकता है, जैसे की ऐप डेवलपमेंट, और वेब डिजाइनिंग। इससे उन्हें तकनीकी कौशल विकसित करने में मदद मिलेगी और वे अपने भविष्य के कैरियर के लिए तैयार होंगे। इसके अलावा यहाँ कुछ और विचार हैं जो तकनीकी शिक्षा को और भी प्रभावी बना सकते हैं। प्रोजेक्ट आधारित शिक्षाः बच्चों को प्रोजेक्ट आधारित शिक्षा देने से उन्हें वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान करने में मदद मिलेगी। सहयोग और टीमवर्कः बच्चों को सहयोग और टीमवर्क के लिए प्रोत्साहित करने से उन्हें समाजिक कौशल विकसित करने में मदद मिलेगी। वास्तविक दुनिया के उदाहरणः बच्चों को वास्तविक दुनिया का उदाहरण देने से उन्हें तकनीकी अवधारणाओं को समझने में मदद मिलेगी। गुरु-शिष्य परंपराः अनुभवी शिक्षकों और उद्योग विशेषज्ञों को बच्चों के साथ काम करने से उन्हें तकनीकी कौशल विकसित करने में मदद मिलेगी। निरंतर मूल्यांकनः बच्चों की प्रगति का निरंतर मूल्यांकन करने से उन्हें अपनी कमजोरियों को सुधारने में मदद मिलेगी। पैरेंट्स कि भागीदारीः पैरैन्ट्स को बच्चो की शिक्षा में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने से उन्हें अपने बच्चों की प्रगति को समझने में मदद मिलेगी। स्कूल- कापोर्रेट साझेदारीः स्कूलों और कंपनियों के बीच साझेदारी करने से बच्चों को उद्योग की वास्तविक दुनिया का अनुभव करने में मदद मिलेगी।

भिवंडी में अवैध रेत खनन पर बड़ी कार्रवाई में 90 लाख की मशीनरी नष्ट, रेत माफियाओं में मचा हड़कंप

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। अवैध रेत खनन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। भिवंडी तहसील कार्यालय की टीम ने केवणी क्षेत्र के रेती बंदर पर छापा मारकर लगभग 80 से 90 लाख रुपये की मशीनरी को नष्ट कर दिया, जिससे रेत माफियाओं में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, तालुका की खाड़ी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर अवैध रेत उत्खनन की शिकायतें ठाणे जिला के जिलाधिकारी श्रीकृष्ण पांचाल को मिली थीं। इसके बाद उनके निर्देश पर अप्पर जिलाधिकारी हरिश्चंद्र पाटिल और उपविभागीय अधिकारी अमित सानप के आदेशानुसार भिवंडी तहसीलदार अभिजीत खोले ने स्वयं मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की।इस दौरान प्रशासन ने 5 सेक्शन पंप और 8 बार्ज को जब्त कर उन्हें आग लगाकर और पानी में डुबोकर पूरी तरह नष्ट कर दिया। इसके अलावा खाड़ी से अवैध रूप से निकाली गई रेत को 12 बड़े गड्ढों (कुंडों) में जमा किया गया था, जिन्हें जेसीबी की मदद से पूरी तरह खत्म कर दिया गया। जांच में सामने आया कि यह रेत भंडारण केवणी गांव के सर्वे नंबर 181/बी की जमीन पर किया जा रहा था, जो कि राजस्व अभिलेखों में आरक्षित वन भूमि के रूप में दर्ज है। इस संबंध में वन विभाग के कांदलवन संरक्षण इकाई, ठाणे द्वारा आगे की कार्रवाई अपेक्षित बताई गई है। इस पूरी कार्रवाई में मंडल अधिकारी, ग्राम राजस्व अधिकारी, भिवंडी पुलिस स्टेशन के कर्मचारी तथा वन विभाग की टीम भी मौजूद रही। प्रशासन की इस सख्त कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय रेत माफियाओं के हौसले पस्त हो गए हैं और अवैध खनन पर रोक लगाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

भिवंडी में हर्षोल्लास से मनाया गये रमजान ईद के जश्न में इस्लाम धर्म के लाखों अनुयायियों ने अदा की सामूहिक नमाज

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। मुस्लिम समुदाय का पवित्र पर्व ईद-उल-फित्र (रमजान ईद) भिवंडी शहर में बड़े ही उत्साह, उल्लास और धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शहर भर की मस्जिदों और ईदगाह मैदानों में लाखों मुस्लिम भाइयों ने सामूहिक नमाज अदा की।

सुबह करीब सात बजे से ही शहर के विभिन्न इलाकों में स्थित ईदगाह मैदान सहित लगभग 105 मस्जिदों में नमाज अदा करने का सिलसिला शुरू हो गया था। नमाज के दौरान देश में अमन, शांति और तरक्की के लिए विशेष दुआएं मांगी गईं। कोटर गेट स्थित सुन्नी जामा मस्जिद में सबसे अंत में हजारों लोगों ने एक साथ नमाज अदा की, जहां का दृश्य बेहद भावुक और एकता का प्रतीक नजर आया। नमाज के बाद सभी ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी, जिससे आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश पूरे शहर में फैल गया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन भी मुस्तैद नजर आया। कोटर गेट क्षेत्र में पुलिस उपायुक्त शशिकांत बारोट और सहायक पुलिस आयुक्त विजय मराठे ने उपस्थित मुस्लिम भाइयों को गुलाब पुष्प भेंट कर ईद की शुभकामनाएं दीं।ईद के इस पावन अवसर पर न केवल मुस्लिम समुदाय बल्कि सभी के लोगों ने एक-दूसरे को बधाई दी, जिससे भिवंडी में गंगा-जमुनी तहजीब और सामाजिक एकता की खूबसूरत झलक देखने को मिली।

भिवंडी में 14 ग्राम पंचायतों के उपचुनाव का ऐलान, 28 अप्रैल को होगा मतदान

भिवंडी। भिवंडी तालुका की 14 ग्राम पंचायतों में सरपंच और सदस्यों के निधन, इस्तीफा या अन्य कारणों से रिक्त हुई सीटों के लिए उपचुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। यह जानकारी तहसीलदार अभिजीत खोले ने दी। घोषित कार्यक्रम के अनुसार, इन ग्राम पंचायतों के लिए मतदान 28 अप्रैल 2026 को होगा, जबकि मतगणना 29 अप्रैल को की जाएगी। चुनाव प्रक्रिया की शुरूआत 30 मार्च को अधिसूचना जारी होने से होगी। उम्मीदवार 7 अप्रैल से 13 अप्रैल तक नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 15 अप्रैल को होगी, जबकि 17 अप्रैल को नाम वापस लेने की अंतिम तिथि और चुनाव चिन्हों का आवंटन किया जाएगा। इस उपचुनाव में कुल 23 ग्राम पंचायत सदस्य पदों के लिए मतदान होगा, जिसमें 2 पद सीधे सरपंच के लिए हैं। जिन ग्राम पंचायतों में उपचुनाव होंगे, उनमें कवाड खुर्द, पिळंझे खुर्द, मोरणी, गणेशपुरी, सुपेगांव, कारीवली, खरीवली, पालखणे, घोटगांव, कुसापुर, सापे, मोहंडुळ, केल्हे और अंबाडी शामिल हैं।

ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स ने भारत में ग्लिपिक (सेमाग्लूटाइड) लॉन्च किया

मुंबई/पटना। अनुसंधान-आधारित वैश्विक फार्मास्यूटिकल कंपनी ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड (ग्लेनमार्क) ने आज भारत में टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस (टी2डीएम) के प्रबंधन के लिए ग्लिपिक (सेमाग्लूटाइड) के लॉन्च की घोषणा की। यह जीएलपी-1 थेरेपी को अधिक किफायती बनाते हुए एक नया मानक स्थापित करता है और मरीजों के लिए उन्नत डायबिटीज उपचार तक पहुंच को बढ़ाता है। कई मरीजों के लिए उन्नत इंजेक्टेबल थेरेपी शुरू करने का निर्णय अक्सर लागत और जटिलता के कारण टल जाता है। किफायती उपलब्धता में महत्वपूर्ण सुधार करके, ग्लिपिक का उद्देश्य जीएलपी-1 थेरेपी तक पहुंच का विस्तार करना और अधिक व्यापक मरीज समूह में उपचार की शुरूआत को पहले संभव बनाना है। ग्लिपिक वायल और प्री-फिल्ड पेन दोनों रूपों में उपलब्ध है। इस उत्पाद को भारत में किए गए एक बहु-केंद्रित, रैंडमाइज्ड, तुलनात्मक, एक्टिव-कंट्रोल्ड, ओपन-लेबल फेज क्लिनिकल अध्ययन के बाद सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (सीडीएससीओ) द्वारा अनुमोदित किया गया है।

तारापुर औद्योगिक क्षेत्र में आयोजित राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस एवं सुरक्षा सप्ताह संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। तारापुर औद्योगिक क्षेत्र में तारापुर इंडस्ट्रियल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (टीमा), डायरेक्टरेट ऑफ इंडस्ट्रियल सेफ्टी एंड हेल्थ (डिश) तथा म्युचुअल एड रिस्पॉन्स ग्रुप (मार्ग) के संयुक्त तत्वावधान में 4 मार्च से 10 मार्च 2026 तक राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस एवं सुरक्षा सप्ताह उत्साहपूर्वक मनाया गया।

एमआईडीसी तारापुर स्थित टीमा हॉल में 4 मार्च को उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर डिश पालघर के सहसंचालक माधव तोटेवाड, टीमा के अध्यक्ष डी. के. राऊत तथा सलाहकार वेलजीभाई गोगरी उपस्थित रहे। सभी मान्यवरों ने औद्योगिक सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अपने समायोचित विचार व्यक्त किये।

5 मार्च को डॉ. पराग कुलकर्णी ने फैक्ट्रियों में परमिट सिस्टम के अंतर्गत कार्य करते समय होने वाले संभावित व्यावसायिक रोगों पर विस्तृत जानकारी दी। वहीं आंबेट्रॉनिक्स सिस्टम्स द्वारा गैस डिटेक्शन सिस्टम विषय पर मार्गदर्शन किया गया। 6 मार्च को एमआईडीसी के कारखानों के लिए फायर फाइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। तारापुर उद्योग क्षेत्र के अग्निशमन केंद्र अधिकारी वैभव तांडेल के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रतियोगिता में विभिन्न उद्योगों से 200 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। 7 मार्च को सेफ्टी ग्रुप क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें कुल 21 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 8 मार्च को औद्योगिक क्षेत्र की विभिन्न शालाओं के विद्यार्थियों के लिए सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में

लगभग 550 से 600 विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी रचनात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस उपक्रम में कोकूयो कैमलिन लिमिटेड एवं जेएसडब्ल्यू स्टील कोटेड प्रोडक्ट्स लि. ने सहयोग प्रदान किया। 9 मार्च को नागरिक सुरक्षा दल, पालघर के उपनियंत्रक श्री कुरकुटे ने ह्यारेस्क्यू ऑपरेशनह्न विषय पर मार्गदर्शन किया। साथ ही रत्ना इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा सेफ्टी इंस्ट्रूमेंटेशन सिस्टम पर जानकारी दी गई। 10 मार्च को सेफ्टी स्किट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न कारखानों की 9 टीमों ने भाग लेकर औद्योगिक सुरक्षा पर प्रभावी प्रस्तुतियां दीं। 18 मार्च को सुरक्षा सप्ताह का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग, पालघर जिला के सहसंचालक माधव तोटेवाड ने रासायनिक कारखानों में दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु अपनाई जाने वाली विभिन्न उपाययोजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने नियमित मॉक ड्रिल, निरीक्षण, लूअेडढ, रिस्क असेसमेंट, विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण, इन्वेंटरी कंट्रोल तथा विशेष अभियान जैसे उपायों पर प्रकाश डाला। टीमा के अध्यक्ष डी. के. राऊत ने औद्योगिक इकाइयों से सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करने का आह्वान किया तथा तारापुर औद्योगिक क्षेत्र की सुरक्षित और सकारात्मक छवि निर्माण हेतु सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। टीमा के सलाहकार वेलजीभाई गोगरी एवं आरती ड्रग्स लि.के साइट हेड नरेंद्र पचौरी ने भी औद्योगिक सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मान्यवरों के हाथों पुरस्कार प्रदान किए गए। इस आयोजन के लिए एमआईडीसी की 22 कंपनियों ने आर्थिक सहयोग प्रदान किया, जिनका सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में पालघर जिला डिश के उपसंचालक अमोल बाईट, हिम्मतराव शिंदे, सहायक संचालक श्रीनिवास सब्बन, रवी भावसार चेयरमैन, टीमा-मार्ग, अरुण सावंत कन्वेनर, टीमा-मार्ग, शशिन पाटील लुपिन लिमिटेड,नीरज पुरोहित महाप्रंधक,गिनी सिल्क मिल्स लि. अजीत राणे, महाप्रबंधक, (एचआर) कोकूयो कैमलिन लि., शेख आरती ड्रग्स लि., संदीप पाटील एवं पंकज गौतम आरती फामार्लैब लि. ने विशेष योगदान दिया।

विश्व गौरैया दिवस : पर गौरैया का संरक्षण किए जाने की मांग

मुंबई। कभी चूं - चूं करते हुए दाना के लिए घरों और आंगन में चहचहाने वाली गौरैया आज विलुप्त सी हो गई है। शनिवार को विश्व गौरैया दिवस पर गौरैया के संरक्षण किए जाने की मांग पक्षी प्रेमी तथा हिंदू राष्ट्र सेवा संघ महाराष्ट्र के अध्यक्ष राजा भाऊ सोनटक्के द्वारा की गई है।

इसी परिप्रेक्ष्य में पत्रकारों से बात करते पक्षी प्रेमी राजा भाऊ सोनटक्के ने कहा कि आधुनिकता की दौड़ एवं मोबाइल टॉवरों के रेडिएशन से विलुप्त हो रही गौरैया का संरक्षण हमारी पृथ्वी के पर्यावरण हेतु बहुत उपयोगी है। घर आंगन से विलुप्त हो रही गौरैया की घर वापसी एक स्वस्थ और स्वच्छ पर्यावरण का संकेत देती है । आधुनिकता की दौड़, पक्के घर और घरों की छत पर सुरक्षा के लगवाए जाने वाले जाल, मोबाइल टॉवरों के रेडियशन, फलों एवं सब्जियों, अनाज में प्रयुक्त होने वाले कीटनाशक से पर्यावरण संतुलन में बड़ी भूमिका का निर्वहन करने वाली गौरैया को नुकसान पहुंच रहा है। गौरैया का संरक्षण पारिस्थितिक संतुलन , जैव विविधता और मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत जरूरी है।

वे न केवल कीड़े-मकोड़ों को नियंत्रित करती हैं, बल्कि शहरी व ग्रामीण इलाकों में पारिस्थितिक चक्र को बनाए रखने के लिए आवश्यक हैं। आधुनिक घरों में घोंसले के स्थान की कमी और बढ़ते प्रदूषण के कारण इनकी संख्या कम हुई है, इसलिए इन्हें बचाना मानव हस्तक्षेप के माध्यम से बहुत महत्वपूर्ण है। गौरैया हमेशा से इंसानों के घरों और आसपास रहने वाली प्रजाति रही है।

हमें इस नन्हीं चिड़िया को अपने घर-आंगन में वापस लाना अत्यंत जरूरी है। आज इसके संरक्षण के लिए हमें जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है।

भिवंडी में पद्मशाली समाज के जनप्रतिनिधियों और विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्ट सम्मानित व्यक्तियों का भव्य सम्मान समारोह

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी में अखिल पद्मशाली समाज भिवंडी एवं महाराष्ट्र राज्य पद्मशाली संघ के संयुक्त तत्वावधान में पद्मशाली समाज के जनप्रतिनिधियों तथा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित विशिष्ट व्यक्तियों का भव्य सत्कार समारोह रविवार को उत्साहपूर्ण माहौल में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम शहर के सांस्कृतिक भवन में संपन्न हुआ। समारोह में महाराष्ट्र अखिल भारतीय पद्मशाली संघ के गौर अध्यक्ष श्रीधर सुकनवार, प्रह्लाद सुरकुटवार, पूर्व जालना विधायक कैलास गोरंट्याल, महाराष्ट्र राज्य पद्मशाली अध्यक्ष कमुटम भूपती, कार्याध्यक्ष कोनक मल्लेशम, कोषाध्यक्ष अवधूत बलराम एवं मुख्य सचिव गाजेंगी राजू सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। राज्य के विभिन्न

क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पद्मशाली समाज के लोग कार्यक्रम में शामिल हुए। भिवंडी, सोलापुर, ग्रेटर मुंबई, जालना, अहमदनगर, पुणे, नांदेड और संगमनेर सहित विभिन्न क्षेत्रों से करीब 50 से अधिक जनप्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। साथ ही राज्य और केंद्र स्तर पर पुरस्कार प्राप्त समाज के प्रतिभाशाली व्यक्तियों का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर समाज में एकता और विकास के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया गया। अखिल पद्मशाली समाज के अध्यक्ष पोट्टाबत्तीनी ने बताया कि महाराष्ट्र में पद्मशाली समाज की जनसंख्या लगभग एक करोड़ है और समाज के युवा विभिन्न महानगरपालिकाओं में चुनकर आ रहे हैं, जो समाज के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि सोलापुर में 18-19 नगरसेवक और पूरे राज्य में लगभग 50 जनप्रतिनिधियों का निर्वाचित होना समाज की प्रगति को दशार्ता है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अनुभवों का आदान-प्रदान, मार्गदर्शन और समाज की एकता को मजबूत करना था। इस दौरान यह भी बताया गया कि पद्मशाली समाज एसबीसी वर्ग में शामिल होने के बावजूद शासकीय योजनाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है, जिसे लेकर चिंता व्यक्त की गई और समस्याओं के समाधान के लिए एकजुट होने की आवश्यकता बताई गई। पूर्व विधायक कैलास गोरंट्याल ने कहा कि नगरसेवकों और पुरस्कार विजेताओं का सम्मान करना गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि पहले समाज चेंनेट और पावरलूम उद्योग तक सीमित था, लेकिन अब युवा आईटी और शिक्षा क्षेत्र में भी आगे बढ़ रहे हैं।

संत रोहिदास युवा मंडल द्वारा गुढीपाडवा महापूजा व सम्मान समारोह आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। संत रोहिदास युवा मंडल ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी गुढीपाडवा के अवसर पर श्री सत्यनारायण महापूजा का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों का गुणगौरव, सन्मान समारोह, भूमिका अभिनय प्रस्तुतिकरण और भजन जैसे कई रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्त्री दिपा मनोज चुरी उपस्थित थीं। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता गाव मंडल के अध्यक्ष व सामाजिक कार्यकर्ता वसंत जाधव ने की। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में भारकंडे सुंदरलाल शहा (व्यावसायिक, तारापूर) भी मौजूद रहे। संजय सोमनाथ जाधव

तथा राजश्री संजय जाधव का सेवानिवृत्तीनिमित्त विशेष सत्कार किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में विनायक जाधव, भारती जाधव, योगेश जाधव, सुषमा जाधव सहित अन्य लोग भी शामिल थे। पूजे पर बैठने का सम्मान श्री और सुनीता जनार्दन जाधव को दिया गया। कार्यक्रम के सूत्र संचालन की जिम्मेदारी योगेश जाधव व सुषमा जाधव ने निभाई, जबकि मंडल के सचिव विनायक जाधव व भारती जाधव ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का परिचय कराया। पूरे कार्यक्रम के दौरान ग्रामस्थों में उत्साह व जोश की लहर देखने को मिली। इस आयोजन में सभी ने मिलकर एकजुटता का प्रदर्शन किया।

कर्जत आरपीएफ ने गुटखा माफियाओं पर कसा शिकंजा

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कर्जत आरपीएफ ने अवैध गुटखा तस्करी का भंडाफोड़ किया है। कर्जत रेलवे स्टेशन पर चेकिंग के दौरान दो युवकों के पास मौजूद बैगों से लाखों रुपये का प्रतिबंधित गुटखा बरामद हुआ। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को आरपीएफ जवान बाबूशा इंगोले और शेषराव खिल्लारे ड्यूटी पर तैनात थे। सुबह लगभग 7:15 बजे प्लेटफार्म नंबर एक पर इंदौर-दौंड एक्सप्रेस का आगमन हुआ। आगमन के उपरांत चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान उक्त ट्रेन के र-2 कोच से दो युवक बड़े-बड़े 4 से 5 बैग लेकर उतरते हुए संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिए। संदेह के चलते आरपीएफ जवानों ने युवकों से पूछताछ की। संतोषजनक उत्तर नहीं मिलने पर उन्हें आरपीएफ

थाने में लाया गया, जहां आरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारी रणवीर सिंह और उनकी टीम के जवानों द्वारा जोर देकर पूछताछ करने पर युवकों ने अपना नाम गोलू कुमार राजेंद्र कुमार, (23) और अंकुश कुमार हरी कुमार (21) बताया। दोनों ही कामोठे, पनवेल के रहने वाले बताए गए हैं। जब उनके बैगों की तलाशी ली गई, तो भारी मात्रा में विमल, राजश्री, रजनीगंधा, तुलसी जर्दा और प्रतिबंधित गुटखा बरामद हुआ। कार्रवाई में आरपीएफ ने कुल 2 लाख 715 रुपये का अवैध गुटखा जब्त किया है। इसके बाद आरपीएफ ने सारा माल जब्त कर दोनों को हिरासत में लिया। आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए आरोपियों को कर्जत जीआरपी के हवाले किया गया है।

कल्याण स्टेशन पर हाई वोल्टेज ड्रामा - करेंट की चपेट में युवक

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण रेल्वे स्थानक में एक अनजान व्यक्ति रेल्वे ओवर हेड वायर पोल पर चढ़ गया, जिससे अफरा-तफरी मच गई। रेल्वे पुलिस और सुरक्षा रक्षक ने उसे नीचे उतारने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माना। आखिरकार, ओवर हेड वायर के करेंट लगने से वह नीचे गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे कल्याण डोंबिवली महापालिका के रुक्मिणीबाई अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उसकी स्थिति गंभीर होने के कारण उसे मुंबई के सायन अस्पताल में भेजा गया है। बतादे की कल्याण रेल्वे स्टेशन पर एक अज्ञात युवक हाई वोल्टेज पोल पर चढ़कर सुसाइड करने के लिए जोरदार ड्रामा करता रहा। युवक को नीचे उतारने के लिए आरपीएफ और अन्य सुरक्षा बल 2 घंटे तक परेशान रहे, लेकिन उसे पोल से नीचे उतार नहीं सके। इस दौरान कल्याण स्टेशन पर नागरिकों की भीड़ बढ़ती रही और रेलवे सेवा लगभग एक घंटे तक ठप रही। आखिरकार, युवक को जोरदार करेंट लगने से वह नीचे गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे रुक्मिणीबाई अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि वह 90% जल चुका है। अब उसे आगे के इलाज के लिए मुंबई के साइन अस्पताल भेजा गया है।

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने काशीगांव मेट्रो स्टेशन का निरीक्षण किया

तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर के लोग पिछले डेढ़ दशक से जिस पल का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, मेट्रो का सपना आखिरकार साकार हो गया है। महाराष्ट्र राज्य परिवहन मंत्री और धराशिव जिले के पालक मंत्री प्रताप इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक ने आज अपना दृढ़ विश्वास व्यक्त करते हुए कहा, यात्रा में थोड़ी देरी हो तो कोई बात नहीं, लेकिन यात्रियों की सुरक्षा से समझौता करना कभी स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने काशीगांव मेट्रो स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने एक महत्वपूर्ण घोषणा की कि सभी तकनीकी सुरक्षा प्रमाणपत्र प्राप्त हो चुके हैं और यह सेवा आगामी अप्रैल में जनता के लिए खुल जाएगी।सुरक्षा उपकरण तैयार हैं, अप्रैल में मेट्रो की सीटी बजेगी

मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि 2009 के चुनाव घोषणापत्र में किया गया मेट्रो का वादा आज पूरा हो रहा है और 15 वर्षों के संघर्ष का फल मिल रहा है। मेट्रो का सारा तकनीकी काम पूरा हो चुका है। सुरक्षा प्रमाणपत्र प्राप्त करने में कुछ समय लगने के कारण उद्घाटन में देरी हुई, लेकिन अब सभी बाधाएं दूर हो गई हैं। मंत्री प्रताप सरनाईक ने आज काशीगांव मेट्रो स्टेशन पर आपातकालीन प्रणाली, दुर्घटना नियंत्रण कक्ष और यात्री सुविधाओं का गहन निरीक्षण

किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि यह प्रणाली किसी भी संकट की स्थिति में कुशलतापूर्वक कार्य करेगी। इस मेट्रो लाइन से प्रतिदिन 4,500 यात्री प्रति घंटा, यानी लगभग 50 हजार यात्री प्रतिदिन आराम से, तेजी से और प्रदूषण मुक्त यात्रा कर सकेंगे। इसलिए, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने स्वयं आज उनकी सुरक्षा सुनिश्चित और सत्यापित की। बजट सत्र समाप्त होते ही मुख्यमंत्री द्वारा श्री गणेश पूजा का आयोजन किया जाएगा।

राज्य के बजट सत्र की समाप्ति के तुरंत बाद इस मेट्रो का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्री उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा, 'इस शहर के जन प्रतिनिधि के रूप में, मैं न केवल सुविधाएं प्रदान करने को महत्व देता हूं, बल्कि उन सुविधाओं में अपने नागरिकों के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करना मेरी पहली प्राथमिकता है। आज सभी परीक्षण पूरे हो गए हैं और अप्रैल से मीरा भायंदर कर मेट्रो में आरामदायक यात्रा का अनुभव कर सकेंगे। परीक्षण किया गया और वह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अब मीरा भायंदर कर की यात्रा न केवल तेज होगी, बल्कि सुरक्षित और आरामदायक भी होगी।

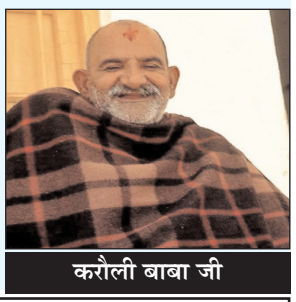

करौली बाबा जी

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

संवाद और ध्यान से ही संभव है विश्व शांति: कुलपति

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के विशेष शिविर के अंतर्गत रविवार को विश्व शांति हेतु शांति-ध्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो.वंदना सिंह ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानवीय संवेदनाओं और वैश्विक कल्याण के प्रति जागरूकता विकसित करने का माध्यम भी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि युद्ध कभी भी किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं होता, बल्कि शांति ही मानवता का वास्तविक भविष्य है।

उन्होंने समकालीन दार्शनिकों और आध्यात्मिक विचारकों के विचार साझा करते हुए कहा कि शांति केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि व्यक्ति के भीतर की एक अवस्था है। जब तक व्यक्ति का मन शांत नहीं होगा, तब तक विश्व में स्थायी शांति की स्थापना संभव नहीं है। वर्तमान वैश्विक संघर्षों का समाधान संवाद, सहिष्णुता और ध्यान की शक्ति से ही संभव है।

कुलपति ने अंतरराष्ट्रीय तनावों का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे समय में वैश्विक भाईचारे और शांति का संदेश प्रसारित करना अत्यंत आवश्यक है। शिविर में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए संकायाध्यक्ष प्रो.मनोज मिश्र ने कहा कि इस शांति-ध्यान के माध्यम से विश्वविद्यालय ने यह संदेश दिया है कि युवा शक्ति अपनी सकारात्मक

ऊर्जा से बड़े से बड़े वैश्विक संघर्षों को भी वैचारिक रूप से प्रभावित कर सकती है। उन्होंने कहा कि शांति-ध्यान न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता में सहायक है, बल्कि यह वैश्विक शांति और मानवीय मूल्यों के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में विश्व जल दिवस के परिप्रेक्ष्य में डॉ.श्याम कन्हैया सिंह, डॉ.अजय विक्रम सिंह एवं प्रो.देवराज सिंह ने संयुक्त रूप से विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जल संसाधनों तक समान पहुंच सुनिश्चित करना सामाजिक न्याय और सतत विकास के लिए अनिवार्य है। जल प्रबंधन में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाकर ही वास्तविक समानता स्थापित की जा सकती है।

इस दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा जल संरक्षण विषय पर प्रस्तुति दी गई तथा विश्वविद्यालय परिसर स्थित अमृत सरोवर में स्वच्छता अभियान चलाकर जन-जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का स्वागत एवं संचालन डॉ.अनुराग मिश्र द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी डॉ.शशिकांत यादव, डॉ.सुरेंद्र सिंह, डॉ.अजय मौर्य, डॉ.विशाल यादव, डॉ.प्रमेन्द्र विक्रम सिंह, सहित स्वयंसेवक दिव्यांशु सिंह, पृथ्वी राज सिंह, मनीष यादव, मोनू कुमार, अर्पिता यादव, आलोक मिश्रा, शंभू चौरसिया, रजनीश कन्हैया यादव, सौरभ सिंह, सिद्धार्थ तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

मानीकलां एवं आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों में शांति पूर्वक अकीदत के साथ अदा हुई ईद की नमाज

मानीकलां, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खंड सोंधी शाहगंज के अंतर्गत कस्बा मानीकलां व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में ईद-उल-फितर का पर्व पूरी शांति और भाईचारे के साथ मनाया गया। विभिन्न ईदगाहों और मस्जिदों में तय समयानुसार नमाज अदा की गई।

मानीकलां के पश्चिम स्थित ईदगाह में सुबह 7:30 बजे नमाज अदा की गई, जबकि मस्जिद जन्नतुल फिरदौस में 7:15 बजे और पूरब तरफ स्थित मस्जिद मीनार में 6:45 बजे नमाज हुई। इसके अलावा भुड़कुड़हा, गुरैनी, सोंगर और बरंगी ईदगाहों में भी बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज अदा कर अमन-चैन और खुशहाली की दुआ मांगी।

मानीकलां पश्चिम ईदगाह में मौलाना मोहम्मद अशहद कासमी ने नमाज अदा कराई। वहीं तकरीर के दौरान मुफ्ती मोहम्मद अमजद कासमी ने भावुक संदेश देते हुए मरहूम हाफिज रियाज अहमद खान के अधूरे सपनों का जिक्र किया। उन्होंने खास तौर पर बच्चियों की तालीम के लिए प्रस्तावित स्कूल को जल्द शुरू करने की अपील की और कस्बा वासियों से सहयोग मांगा।

बताया गया कि हाफिज रियाज अहमद खान के जीवनकाल में

बच्चियों की तालीम के लिए उठी अहम पहल

बच्चियों की शिक्षा के लिए एक बड़ा सपना देखा गया था, जिसे अब उनके परिजन और क्षेत्रवासी मिलकर पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं। इस वर्ष उनकी गैरमौजूदगी में ईद की नमाज अदा की गई, जिससे माहौल भावुक भी रहा। लोगों ने उनके सामाजिक कार्यों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी।

मुख्य नायब नाज़िम हाफिज मोहम्मद अखलद ने बताया कि जल्द ही क्षेत्र के लोगों की भागीदारी से स्कूल निर्माण कार्य को गति दी जाएगी, ताकि समय पर बच्चियों की पढ़ाई शुरू हो सके।

इस मौके पर डॉ. सरफराज अहमद, डॉ. इम्तियाज अहमद, मोहम्मद आसिफ सिद्दीकी, मोहम्मद फैसल सिद्दीकी, कमालुद्दीन (जिला पंचायत सदस्य), अल्ताफ अहमद, लुकमान अहमद, इरफान अहमद, जमशेद अहमद, वहाबुद्दीन, अनवारुद्दीन, मोहम्मद अफरीदी सिद्दीकी, जैन अब्दुल्लाह सिद्दीकी, सारा सिद्दीकी, आफताब आलम, डॉ. वकील अहमद, डॉ. शमीम अहमद, बदरुद्दीन खान सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

जनार्दन प्रसाद सिंह बने प्रदेश अध्यक्ष, ब्रिजानंद उपाध्यक्ष व हनुमान सिंह महामंत्री

डॉ.बृजेश महादेव-राष्ट्रीय संयोजक, बैसवार कल्याण समिति के साथ एक दर्जन बंधु हुए सम्मानित

सुशील कुमार तिवारी

प्रथम बैसवार सम्मान समारोह एवं महासंघ होली मिलन संम्पन्न

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। बैसवार समाज के सेवानिवृत्ति अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों का सम्मान समारोह धुमधाम से सम्पन्न हुआ। जिसमें सत्ताईस लोगों को सम्मानित किया गया। सर्वश्री ई श्याम सुन्दर सिंह ग्राम नेवारी सोनभद्र, भगवान दास बैस ग्राम नौगढ सिंगरौली,ई श्याम लाल सिंह ग्राम केवटा सोनभद्र,ई उमराव लाल सिंह ग्राम सिल्पी सोनभद्र,ई केवला प्रसाद सिंह ग्राम पड़वनिया सोनभद्र,ई राम नरेश सिंह ग्राम केवटा सोनभद्र, ई लालता प्रसाद ग्राम केवटा सोनभद्र सहित सत्ताईस लोगों को सम्मानित किया गया। विशिष्ट सम्मान के रूप में डॉ. बृजेश महादेव शिक्षक एवं साहित्यकार, डॉ. श्रीराम सिंह श्रीराम हास्पिटल, डॉ. अरुण सिंह लाल बाल चिकित्सालय, विमला देवी प्रधानाचार्या राजकीय कगावि , डॉ. जितेन्द्र सिंह, डॉ .अखिलेश सिंह, डॉ.राहुल सिंह, डॉ. विरेंद्र सिंह, डॉ.अरविन्द सिंह, ब्रिजानंद सिंह,ई रामेश्वर सिंह, कन्हैयालाल सिंह रीडर जिलाधिकारी कार्यालय, रवि प्रताप सिंह, ई ब्रिजमोहन सिंह, ई संजय सिंह, ई यज्ञनारायण सिंह, राजेंद्र प्रसाद सिंह प्रबंधक, ब्रजेश सिंह डायरेक्टर लक्ष्य ग्रुप आफ कालेज, सीता कुमारी छात्रा को सम्मानित किया गया।

समारोह में अखिल भारतीय बैसवार महासंघ उत्तर प्रदेश इकाई का गठन किया गया जिसमें सर्वसम्मति से जनार्दन प्रसाद सिंह प्रदेश अध्यक्ष, ब्रिजानन्द सिंह उपाध्यक्ष, हनुमान प्रसाद सिंह महामंत्री, विमला देवी उपाध्यक्ष महिला मोर्चा, राजेंद्र प्रसाद सिंह सहमंत्री, अवधेश कुमार सिंह कोषाध्यक्ष राम नरेश सिंह उपाध्याय के साथ दर्जनों बंधुओ को ज़िम्मेदारी दी गई। प्रदेश के साथ जिला और ब्लॉक कार्यकारणी की घोषणा की गई।

बतौर मुख्य अतिथि प्राणमती देवी पूर्व अध्यक्ष नगर पंचायत ओबरा, विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतीय बैसवार महासंघ से जागबली बैस कोषाध्यक्ष लखपति सिंह कार्यालय मंत्री, शिव शंकर बैस, नारायण दास बैस, कमलेश बैस, राधा माधव सिंह, सुभाष सिंह द्वारा सभी को सम्मानित किया गया तथा पदभार ग्रहण करया गया। बैसवार कल्याण समिति के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. बृजेश महादेव द्वारा शपथ दिलाई गई।

समारोह में लक्ष्मण सिंह, रमाकांत वर्मा, अक्षयवर सिंह, शंकर सिंह, नरेंद्र सिंह, संजय सिंह, अनिल सिंह, राम दुलार सिंह, ह्रदेश कुमार सिंह, कुशुम लता, प्रतिभा बैस, आरती, प्रिति सिंह, गरिमा सिंह, विंदू सिंह, फूलमती , ममता, शेष कुमारी, लीलावती, कुसुम कली, पूनम, सीता कुमारी, मिथिलेश, अश्विनी कुमार सिंह, राम प्रताप, मनोहर लाल वर्मा, कृष्ण लाल, साधु, अरुण सिंह, संजय सिंह, कमलेश कुमार सिंह, कुंजलाल सिंह, अम्बिका प्रसाद सिंह, सूरज सिंह, सहित सैकड़ों बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन ह्रदेश कुमार सिंह ने किया। मुख्य अतिथि प्राणमति द्वारा सभी को बधाई दी गई।

दुद्धी ब्लॉक के विद्यालयों ने निपुण भारत मिशन में लहराया परचम, कई बने 'निपुण विद्यालय'

दुद्धी, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। निपुण भारत मिशन के अंतर्गत जनपद सोनभद्र के दुद्धी ब्लॉक के विद्यालयों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में नई मिसाल पेश की है। मिशन का उद्देश्य वर्ष 2026-27 तक प्रत्येक बच्चे को कक्षा 3 के अंत तक मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता में दक्ष बनाना है।

समग्र शिक्षा अभियान के तहत डीएलडी प्रशिक्षुओं द्वारा दुद्धी ब्लॉक के कुल 191 विद्यालयों का निपुण आंकलन किया गया, जिसमें 69 विद्यालय निर्धारित मानकों को पूरा करते हुए 'निपुण विद्यालय' घोषित किए गए। विशेष रूप से तीन विद्यालयों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र और जनपद का नाम रोशन किया है–

प्राथमिक विद्यालय करीं, दुद्धीझ 91.67%
प्राथमिक विद्यालय मालाडोढ़ा, दुद्धीझ 86%
प्राथमिक विद्यालय बिच्छीडंडी, दुद्धीझ 86.96%

इन विद्यालयों ने अपने समर्पण, नवाचार और निरंतर प्रयासों के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। इनकी सफलता न केवल दुद्धी ब्लॉक बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है। जनपद सोनभद्र ने इस अभियान में प्रदेश स्तर पर 10वां स्थान प्राप्त कर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है।

इस सफलता का श्रेय खंड शिक्षा अधिकारी प्रेम शंकर राम सहित संबंधित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के सामूहिक प्रयास को जाता है। यह उपलब्धि निश्चित रूप से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

असिस्टेंट प्रोफेसर के 14 पदों के लिए परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर (संविदा) भर्ती के तहत कुल 14 पदों (09 बीकॉम एवं

05 फामेर्सी) के लिए आयोजित लिखित परीक्षा प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिक अध्ययन एवं शोध संस्थान में सकुशल एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। परीक्षा में अभ्यर्थियों ने अनुशासन और गंभीरता के साथ भाग लिया। परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने केंद्र पर परीक्षा का निरीक्षण किया। परीक्षा नियंत्रक डॉ.विनोद कुमार सिंह लगातार परीक्षा केंद्र पर व्यवस्था को देखते रहे। केंद्रों पर सुरक्षा, बैठने की व्यवस्था तथा पारदर्शिता बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए समय पर प्रवेश, जांच और बैठने की प्रक्रिया सुनिश्चित की गई। विश्वविद्यालय प्रशासन की सतर्कता और सुव्यवस्थित प्रबंधन के चलते परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष और सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

जूनियर हाई स्कूल, गोपालापुर के प्रभारी प्रधानाध्यापक पलकधारी गौतम का आकस्मिक निधन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जूनियर हाइस्कूल, गोपालापुर, बदलापुर के प्रभारी प्रधानाध्यापक पलकधारी गौतम (उम्र 47 वर्ष) का आज लंबी बीमारी के बाद आकस्मिक निधन हो गया। उनकी नियुक्ति 2006 में हुई थी। वे अत्यंत दयालु और विनम्र इंसान थे। उनका घर नौपेड़वा के नजदीक काजीनेवादा, रन्नो गांव में है। वे पिछले एक महीने से काफी अस्वस्थ चल चल रहे थे। उनका पुत्र 17 वर्ष और पुत्रियां 23 तथा 25 वर्ष की हैं। उनके

निधन पर पूर्व प्रधान कृष्णदेव दुबे, प्रधान हर्षू प्रसाद पाठक, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अनिल कुमार यादव, जिला उपाध्यक्ष प्रमोद यादव ब्लॉक अध्यक्ष उमेशचन्द मिश्र, मंत्री रायसाहब यादव, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष नंदकुमार यादव प्रधानाध्यापक अशोक पांडे, अध्यापक श्याम लाल यादव, प्रधानाध्यापक राधेश्याम चौरसिया, प्रधानाध्यापक रवीन्द्र प्रसाद तिवारी, प्रधानाध्यापक उमाशंकर दुबे, शिक्षक अब्दुल मन्नान अंसारी, शिक्षक अमरजीत यादव, शिक्षक हरे कृष्णा यादव, प्रधानाध्यापक विजय शंकर यादव, शिक्षक आलोक यादव, शिक्षक बृजेश यादव, शिक्षक गौरव यादव,शिक्षामित्र संघ अध्यक्ष आनंद तिवारी, शिक्षामित्र शेर बहादुर, पूर्व एआरपी ओम प्रकाश गुप्ता, शिक्षक रवि प्रजापति, शिक्षक शिवाकान्त यादव आदि ने गहरा दुख प्रकट करते हुए उनकी आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की है।

मशहूर शायर निसार अहमद का निधन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद स्थानीय थाना क्षेत्र के मोहल्ला सैय्यद अलीपुर निवासी मशहूर व मारूफ शायर निसार अहमद का रविवार की सुबह जफराबाद स्थित उनके आवास पर सुबह 5:00 बजे निधन हो गया जिसकी खबर सुनते ही लोगो में शोक की लहर दौड़ पड़ी, उनके घर पर श्रद्धांजलि देने के लिए लोग उमड़ पड़े, पूर्व अध्यक्ष प्रमोद बरनवाल तथा समाजसेवी शिवम बरनवाल ने बताया कि जफराबाद से एक हस्ती और इल्म का खजाना चला गया उनका एक शेर भी बताया कि विलादते बादे अजान, शहादते बादे नमाज, बस इतनी देर का झगड़ा है, जिंदगी क्या है, और तमाम लोगों ने उनकी लिखी हुई किताबों पर चर्चा भी करते रहे उनके पुत्र शाहिद अंसारी ने बताया कि रात में 10:00 बजे सुपुर्द खाक किया जाएगा। उनके घर श्रद्धांजलि देने वालों में डॉक्टर हैदर रजा आब्दी, कलामुद्दीन अंसारी, जफराबाद के पूर्व अध्यक्ष प्रमोद बरनवाल, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉक्टर सरफराज आदि लोग रहे।

मछलीशहर भाजपा जिला कार्यकारिणी घोषित

जमीनी कार्यकताओं को मिली जगह, पैरवी करने वाले हुये दरकिनार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी मछलीशहर के जिलाध्यक्ष डा.अजय सिंह ने रविवार को अपनी जिला कार्यकारिणी घोषित कर दिया। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की संस्तुति पर घोषित टीम में जमीनी कार्यकताओं को जगह मिली है। चचाओं की मानें तो पैरवी करने वालों को दरकिनार कर दिया गया है। जिलाध्यक्ष द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार विजय पटेल, हरिश्चन्द्र मौर्य, चन्द्र प्रकाश सिंह, मीना पटेल, उषा किरन, अतुल पाण्डेय, रणविजय सिंह, मोहन राजभर को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया है। साथ ही संतोष मिश्रा, स्कन्द पटेल एवं डा.

3 महामंत्री, 1 कोषाध्यक्ष, 8 उपाध्यक्ष, 8 मंत्री बनाये गये

अभिषेक रावत को महामंत्री जैसे महत्वपूर्ण दायित्व की जिम्मेदारी दी गयी। इसके अलावा कमलेश राय को कोषाध्यक्ष बनाते हुये जिला मंत्री वाली टीम में धनन्जय कश्यप, सुदर्शन सिंह, हरेराम पाल, केपी मिश्र, मनोज जायसवाल, डा. रामचन्द्र बिन्द, सोनी जायसवाल, सोनिया गिरी को शामिल किया गया है। इस टीम की घोषणा होते ही जहां जमीनी कार्यकताओं सहित उनके शुभचिन्तकों में खुशी की लहर दौड़ गयी, वहीं पैरवी करने वालों को दरकिनार करते हुये पार्टी हाईकमान ने यह बता दिया कि कार्य करने वाले को ही स्थान मिलता है।

ओबरा का अस्तित्व और स्वाभिमान : अब चुप रहना है अपराध

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। जनपद सोनभद्र को ऊर्जांचल के नाम से भी जाना जाता है, जहां स्थापित कई पावर प्लांट प्रदेश के बड़े हिस्से को बिजली उपलब्ध कराते हैं। इसके बावजूद क्षेत्र की जनता आज भी बुनियादी सुविधाओं और अधिकारों के लिए संघर्ष कर रही है।

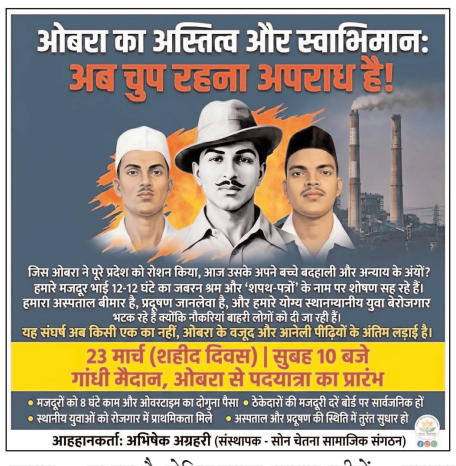

बिजली उत्पादन से होने वाले जल, वायु और ध्वनि प्रदूषण का सीधा असर स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण पर पड़ रहा है। हालात यह हैं कि क्षेत्र के पेड़ों की हरियाली तक कालेपन में बदलती नजर आ रही है। इसके साथ ही खनन गतिविधियों के कारण वातावरण में धूल का गुबार छाया रहता है, जिससे आमजन का जीवन प्रभावित हो रहा है। खदानों में आए दिन होने वाले हादसों में मजदूरों की जान भी जा रही है। श्रमिकों की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। संविदा कर्मचारियों से 12-12 घंटे काम लिया जा रहा है, लेकिन उनका भुगतान महीनों तक लंबित रहता है। शपथ पत्रों और अन्य औपचारिकताओं के नाम पर उनके शोषण के आरोप भी सामने आते रहे हैं।

स्वास्थ्य सेवाएं भी बदहाल स्थिति में हैं। ओबरा परियोजना चिकित्सालय में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी के कारण यह अस्पताल केवल रेफरल केंद्र बनकर रह गया है। आपात स्थिति में मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता।

इन समस्याओं को लेकर अब क्षेत्र में जनआक्रोश बढ़ता जा रहा है। सोन चेतना सामाजिक संगठन के संयोजक अभिषेक अग्रहरी ने 23 मार्च 2026 को स्थानीय गांधी मैदान से पदयात्रा का आह्वान किया है। उन्होंने जनपदवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर अपनी समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने की अपील की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्षों से हो रही उपेक्षा अब असहनीय हो चुकी है और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाना जरूरी हो गया है।

अखिलेश यादव सरकार विकास और जनकल्याण की मिसाल रहीः मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने शनिवार को जारी प्रेस वक्तव्य में कहा कि वर्ष 2012 से 2017 तक अखिलेश यादव के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में चली सरकार विकास, सामाजिक न्याय और जनकल्याण की मिसाल रही।

उन्होंने कहा कि उस दौरान प्रदेश के सभी वर्गों–गरीब, किसान, नौजवान, महिला और व्यापारी–को ध्यान में रखते हुए अनेक जनहितकारी योजनाएं लागू की गईं। सरकार ने आधुनिक बुनियादी ढांचे के निर्माण पर विशेष जोर दिया, जिसके तहत आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, लखनऊ मेट्रो सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं साकार हुईं।

अरशद खान ने बताया कि छात्रों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ने के लिए लैपटॉप वितरण योजना, महिलाओं की सुरक्षा के लिए 1090 हेल्पलाइन, त्वरित पुलिस सहायता

हेतु डायल 100 सेवा और आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधा के लिए 108 एंबुलेंस सेवा जैसी योजनाएं मील का पत्थर साबित हुईं।

उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में विधवा पेंशन, कन्यादान योजना, बेरोजगारी भत्ता और लोहिया ग्रामीण आवास योजना के माध्यम से कमजोर वर्गों को आर्थिक सहयोग दिया गया। वहीं किसानों के लिए बीमा योजनाएं, किसान बाजार और कामधेनु योजना के जरिए कृषि एवं पशुपालन को बढ़ावा मिला।

उन्होंने यह भी कहा कि उस समय औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहन मिला, जिससे आईटी सेक्टर सहित विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़े। पर्यावरण संरक्षण के तहत रिकॉर्ड वृक्षारोपण जैसे प्रयास भी उल्लेखनीय रहे।

अंत में उन्होंने कहा कि ये सभी कार्य 'समाजवादी सोच' के प्रतीक थे, जिनमें भाईचारा, सद्भाव और समावेशी विकास की भावना निहित थी। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2027 में प्रदेश की जनता एक बार फिर विकास, रोजगार और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर अखिलेश यादव के नेतृत्व को चुनेगी।

कंपोजिट विद्यालय अब्बोपुर के तीन छात्र नवोदय विद्यालय में चयनित, क्षेत्र में हर्ष

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय उपलब्धि हासिल करते हुए कंपोजिट विद्यालय अब्बोपुर,

शाहगंज के तीन होनहार छात्र अमरदीप, अंश एवं शान्वी का चयन प्रतिष्ठित जवाहर नवोदय विद्यालय में हुआ है। इस सफलता से विद्यालय एवं पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

गुरुवार को विद्यालय परिसर में आयोजित सम्मान समारोह में चयनित छात्रों को विद्यालय परिवार द्वारा माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच मेधावी छात्रों का उत्साहवर्धन किया।

विद्यालय के अधयापक अरुण कुमार सिंह ने बताया कि लगातार शैक्षिक उपलब्धियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता परीक्षा (ठटटर) में सत्र 2022-23 में पाँच, 2023-24 में चार, 2024-25 में दो तथा 2025-26 में छह छात्रों (उमंग, संजना, संजना, शिवेंद्र, शिवा व राजकुमार) का चयन हुआ। वहीं श्रेष्ठा परीक्षा 2025-26 में दो छात्रों ने सफलता प्राप्त की। नवोदय परीक्षा में भी विद्यालय का प्रदर्शन सराहनीय रहा है। सत्र 2023-24 में दो छात्रों (संदीप बिंद, अवनीश यादव) तथा सत्र 2025-26 में तीन छात्रों (अमरदीप, अंश व शान्वी) का चयन हुआ।

अभिभावकों ने विद्यालय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन के कारण ही उनके बच्चों को यह सफलता प्राप्त हुई है। विद्यालय परिवार ने सभी चयनित छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा लेने का संदेश दिया। इस अवसर पर उर्मिला देवी, आदित्य कुमार यादव, सुखराम प्रजापति समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

यूपीएससी परीक्षा में सफलता पर शुभम कुमार सिंह विद्यालय परिवार ने दी बधाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के सिकरारा क्षेत्र के प्रतिभाशाली युवक शुभम कुमार सिंह ने संघ लोक सेवा आयोग की प्रतिष्ठित परीक्षा में 378वीं रैंक प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर सूर्यबली सिंह पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मियांपुर (जौनपुर) परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं।

इस अवसर पर विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के संस्थापक प्रोफेसर एस.पी. सिंह ने शुभम कुमार सिंह की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए

प्रेरणा का स्रोत है।

मौके पर उपस्थित प्रबंधक विजेन्द्र सिंह, मनीषा सिंह, कुशाग्र सिंह, विकाश यादव, राकेश सिंह तथा अन्य लोगों ने भी शुभम कुमार सिंह को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।सभी ने आशा व्यक्त की कि शुभम कुमार सिंह अपनी मेहनत और लगन से आगे भी देश और समाज की सेवा करते हुए क्षेत्र और जिले का नाम रोशन करेंगे।

अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाने के लिए सरकार संकल्पित: रमेश सिंह

सुईथाकला के बाल संरचना संस्थान इंटर कॉलेज लालापुर में प्रशिक्षण महाअभियान का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज विधानसभा क्षेत्र के सुईथाकला मंडल अंतर्गत ग्रामसभा लालापुर स्थित बाल संरचना इंटरमीडिएट कॉलेज में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियानझ्र2026 के सातवें सत्र के द्वितीय दिवस में रविवार को विधायक रमेश सिंह ने कार्यकताओं को संबोधित किया और संगठन की मजबूती पर जोर दिया।

विधायक रमेश सिंह ने अपनी सरकार की उपलब्धियां एवं क्रियान्वयन विषय पर विस्तार से विचार रखे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र के साथ कार्य कर रही हैं और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाने के लिए संकल्पित हैं। उन्होंने कार्यकतोओं को संगठन की नीतियों, विचारधारा और संगठन विस्तार के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि संगठन की मजबूती ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेश पांडेय ने कहा कि कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी से ही पार्टी मजबूत होती है और सरकार की योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचता है। मंडल अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने सभी कार्यकतोओं से संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में कार्यकताओं से अपील की गई कि वे सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं को जन-जन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाएं और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

अल्केम लैबोरेटरीज ने भारत में सेमाग्लूटाइड इंजेक्शन लॉन्च किया

पटना(उत्तरशक्ति)। अल्केम लैबोरेटरीज लिमिटेड ने भारत में सेमाग्लूटाइड इंजेक्शन लॉन्च किया है, जो सेमासाइज, ओबेसेमा और हेपाग्लाइडब्रांड नामों में उपलब्ध है। यह दवा सप्ताह में एक बार सबक्यूटेनियस इंजेक्शन के रूप में दी जाती है। कंपनी ने सेमाग्लूटाइड का प्री-फिल्ड डिस्पोजेबल इंजेक्शन पेन 1,800 रुपये प्रति माह की शुरूआती कीमत पर लॉन्च किया है, यानी इसकी साप्ताहिक लागत लगभग 450 रुपये पड़ती है। किफायती कीमत के जरिए कंपनी का उद्देश्य इस थेरेपी तक अधिक लोगों की पहुंच आसान बनाना है। अल्केम को भारत में किए गए इसके फेज 3 क्लिनिकल ट्रायल्स की समीक्षा के बाद ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) से मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने इसे टाइप 2 डायबिटीज और दीर्घकालिक वजन प्रबंधन के लिए, डाइट और एक्सरसाइज के साथ सहायक उपचार के रूप में बाजार में लाने की मंजूरी मिली है । यह दवा प्रिस्क्रिप्शन पर आधारित है और इसे डॉक्टर की सलाह एवं निगरानी में ही लेना चाहिए। डिस्पोजेबल पेन के अलावा, कंपनी हायर मेंटेनेंस डोज के लिए रीयूजेबल इंजेक्शन पेन भी उपलब्ध करा रही है। इस रीयूजेबल पेन में हर बार नया पेन खरीदने की बजाय केवल दवा की कार्ट्रिज बदलनी होती है, जिससे लागत कम होती है और मरीजों के लिए इलाज जारी रखना आसान बनता है। लॉन्च पर प्रतिक्रिया व?यक?त करते हुए डॉ. विकास गुप्ता, सीईओ, एल्केम ने कहा, ह्लहमारा मानना है कि चिकित्सा क्षेत्र में प्रगति का असली असर तब दिखता है, जब वह आम लोगों तक आसानी से पहुंच सके। अपने देश में विकसित सेमाग्लूटाइड के जरिए हम एक गुणवत्तापूर्ण और किफायती विकल्प लेकर आए हैं, जिससे अधिक मरीज इस थेरेपी का लाभ उठा सकें। हमारे मजबूत वितरण नेटवर्क और उपयोग में आसान डिवाइस के माध्यम से हम इस उपचार को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने और बेहतर स्वास्थ्य परिणामों में योगदान देने का प्रयास कर रहे हैं।

जब काशी दौड़ी, गंगा मुस्कुराई : स्वच्छता के लिए उठे हजारों कदम

सुरेश गांधी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। विश्व जल दिवस के पावन अवसर पर रविवार की भोर जैसे ही काशी ने अंगड़ाई ली, गंगा तट पर एक अनूठा दृश्य आकार लेने लगा, हजारों कदम एक साथ उठे, एक ही दिशा में, एक ही संकल्प के साथ... मां गंगा को स्वच्छ और अविरल बनाने का संकल्प। संकट मोचन फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित रन फॉर क्लीन गंगा मैराथन-2026 ने इस बार केवल एक आयोजन का रूप नहीं लिया, बल्कि यह जनचेतना का विराट उत्सव बन गया। सुबह छह बजे नमो घाट से जब हरी झंडी लहराई गई, तो वातावरण हर-हर गंगे के उद्घोष से गूंज उठा। फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रो. विश्वम्भरनाथ मिश्र और प्रसिद्ध अभिनेता मिलिंद सोमन ने संयुक्त रूप से इस मैराथन का शुभारंभ किया। विशेष आकर्षण यह रहा कि फिटनेस आइकन मिलिंद सोमन स्वयं 10.55 किमी की दौड़ में प्रतिभागियों के साथ कदम से कदम मिलाकर दौड़े, जिससे युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। मतलब साफ है विश्व जल दिवस पर काशी ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि जब आस्था और जिम्मेदारी एक साथ चलती हैं, तो परिवर्तन की राह खुद-ब-खुद बन जाती है। रन फॉर क्लीन गंगा केवल दौड़ नहीं, बल्कि वह संकल्प है, जो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, निर्मल और जीवनदायिनी गंगा सौंपने का वादा करता है।

10.55 किमी की मैराथन का मार्ग अपने आप में काशी की सांस्कृतिक आत्मा को समेटे रहा, नमो घाट से प्रारंभ होकर मछोदरी, विश्वेश्वरगंज, मैदागिन, गोदौलिया, मदनपुरा, शिवाला, रवीन्द्रपुरी, लंका, महामना मालवीय प्रतिमा होते हुए अस्सी और अंततः तुलसीघाट तक यह दौड़ केवल दूरी नहीं, बल्कि संदेश तय करती रही। वहीं 7 किमी वर्ग के प्रतिभागियों ने नमो घाट से शिवाला होते हुए भदैनी के रास्ते तुलसीघाट तक अपनी ऊर्जा और प्रतिबद्धता का परिचय दिया। तुलसीघाट पर जब प्रतिभागियों का स्वागत गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा के बीच हुआ, तो यह दृश्य केवल एक समापन नहीं, बल्कि एक नई शुरूआत का संकेत दे रहा था, स्वच्छता की नई सोच, जिम्मेदारी की नई राह। मैराथन के दोनों वर्गों : 7 किमी और 10.55 किमी, में महिला और पुरुष प्रतिभागियों को अलग-अलग श्रेणियों में सम्मानित किया गया। 10.55 किमी वर्ग में विजेताओं को क्रमशः 21 हजार, 16 हजार और 11 हजार रुपये नकद पुरस्कार दिए गए, जबकि 7 किमी वर्ग में यह राशि 15 हजार, 10 हजार और 7 हजार रुपये रही। प्रतियोगिता में महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी ने यह संदेश दिया कि गंगा की स्वच्छता का दायित्व अब केवल प्रशासन या संस्थाओं तक सीमित नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग, विशेषकर मातृशक्ति ने इसे अपना अभियान बना लिया है। मुख्य अतिथि मिलिंद सोमन ने कहा, जैसे हम अपने शरीर को स्वस्थ रखते हैं, वैसे ही गंगा को भी स्वच्छ रखना हमारी जिम्मेदारी है। यह केवल एक नदी नहीं, हमारी जीवनरेखा है। संकट मोचन फाउंडेशन के निदेशक प्रो. एसएन उपाध्याय ने पर्यावरण संरक्षण को मानव अस्तित्व से जोड़ते हुए कहा कि प्राकृतिक संसाधनों को बचाना ही भविष्य की सुरक्षा है। वहीं मदर्स फॉर मदर की अध्यक्ष आभा मिश्र ने जल संरक्षण को सामाजिक जिम्मेदारी बताते हुए मातृशक्ति से आगे आने का आह्वान किया। फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रो. विश्वम्भरनाथ मिश्र ने बताया कि इस वर्ष 2642 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया, जबकि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक रही। उन्होंने अपील की, यदि हम संकल्प लें कि गंगा में एक बूंद भी अवजल नहीं जाने देंगे, तो वह दिन दूर नहीं जब गंगा पुनः निर्मल और अविरल होगी। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और स्टाइडर्स के सहयोग से आयोजित इस मैराथन ने यह साबित कर दिया कि जब समाज जागता है, तो परिवर्तन अवश्य होता है।

कौशलयुक्त युवा ही सशक्त राष्ट्र की पहचान : अजीत प्रजापति

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर के पाँचवें दिन राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका एवं कौशल विकास विषय पर प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में समाज सेवा की भावना विकसित करना, कौशल आधारित शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा नेतृत्व क्षमता को सुदृढ़ करना रहा। कार्यक्रम में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. कमर अब्बास, भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति, मड़ियाहूं पीजी कॉलेज के प्रोफेसर सुरेश पाठक एवं डॉ. शैलेन्द्र सिंह अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने सभी अतिथियों का अंगवस्त्र व पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि युवा ऊर्जा, नवाचार और संकल्प का प्रतीक हैं, जो राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव रखते हैं। डॉ. कमर अब्बास ने युवाओं से सेवा, संवेदनशीलता और सामाजिक दायित्व निभाने का आह्वान किया। वहीं अजीत प्रजापति ने अनुशासन, आत्मनिर्भरता और कौशल विकास को सशक्त भारत की पहचान बताते हुए युवाओं को सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। प्रो. सुरेश पाठक ने शिक्षा को समाज सुधार और चरित्र निर्माण से जोड़ते हुए एनएसएस को व्यक्तित्व विकास का प्रभावी माध्यम बताया। डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि कौशल आधारित शिक्षा युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाती है।

अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में सेवा, समर्पण और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने स्वयंसेवकों से स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, डिजिटल साक्षरता, स्वास्थ्य जागरूकता और ग्रामीण विकास जैसे कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। शिविर के अंतर्गत स्वयंसेवकों ने जनजागरूकता रैली निकाली तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक संदेश प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण एवं स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पुलिस लाइन में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर पुलिस द्वारा पुलिस लाइन स्थित बहुद्देशीय हाल में रविवार को नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर मेदांता हॉस्पिटल एवं मुरली फाउंडेशन जौनपुर के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। शिविर का उद्देश्य पुलिस कर्मियों एवं उनके परिजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना रहा। इस दौरान विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा सामान्य स्वास्थ्य जांच, ब्लड प्रेशर, शुगर समेत विभिन्न बीमारियों की जांच एवं परामर्श दिया गया। चिकित्सा शिविर में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों और उनके परिवारजनों ने पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया और विशेषज्ञों से परामर्श प्राप्त किया। इस प्रकार के शिविरों से पुलिसकर्मियों को नियमित स्वास्थ्य जांच का अवसर मिलता है, जिससे उनके स्वास्थ्य में सुधार होता है और वे अपने कर्तव्यों का बेहतर ढंग से निर्वहन कर पाते हैं। यह कार्यक्रम पुलिस विभाग, मेदांता हॉस्पिटल एवं मुरली फाउंडेशन जौनपुर के समन्वित प्रयास से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

क्षत्रियों का योगदान सदैव रहा महत्वपूर्ण : ब्रजभूषण शरण सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्राचीन काल से लेकर वर्तमान तक राष्ट्र और समाज के निर्माण में क्षत्रियों का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। यह बातें पूर्व सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह ने तिलकधारी सिंह इंटर कॉलेज के मार्कण्डेय सिंह सभागार में आयोजित होली मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कहीं। कार्यक्रम का आयोजन बैस क्षत्रिय राष्ट्रीय एकता मंच द्वारा किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि क्षत्रियों में समाज के सभी वर्गों का नेतृत्व करने की क्षमता आज भी विद्यमान है।

उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की आजादी में चन्द्रशेखर आजाद, भगत सिंह और सुभाषचंद्र बोस जैसे महान क्रांतिकारियों का भी अहम योगदान रहा है।

पूर्व सांसद ने युवाओं को रश्मिरथी एवं हनुमान चालीसा पढ़ने की सलाह देते हुए कहा कि जीवन में बल, बुद्धि और विद्या का होना आवश्यक है, जिससे सफलता स्वतः प्राप्त होती है। उन्होंने छात्रों को जमीन से जुड़े रहने की भी अपील की। समारोह में होली गीतों ने माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व सांसद धनंजय सिंह, विधान परिषद सदस्य ब्रजेश सिंह प्रिंसू तथा पूर्व विधायक हरेन्द्र सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुंवर जय सिंह बाबा ने की, जबकि संचालन डॉ. सुनील कुमार सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर धर्मराज सिंह, डॉ. महेंद्र सिंह, दयाशंकर सिंह, अनिल कुमार सिंह, ओमप्रकाश सिंह, प्रेमप्रकाश सिंह, डॉ. वीरेन्द्र प्रताप सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पुलिस पर फायर करने वाला बदमाश गिरफ्तार, तमंचा बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर पुलिस के विशेष अभियान के तहत थाना बदलापुर पुलिस टीम ने पुलिस पर फायरिंग करने वाले एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से अवैध तमंचा और कारतूस बरामद किया गया है, जबकि उसके दो साथी मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश जारी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आतिश कुमार सिंह एवं क्षेत्राधिकारी बदलापुर सुनील चन्द्र तिवारी के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक शेष कुमार शुक्ला के नेतृत्व में पुलिस टीम गश्त पर थी।

इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम छंगापुर की ओर से तीन संदिग्ध बदमाश मोटरसाइकिल से बदलापुर-शाहगंज मार्ग की ओर आ रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने बटाऊवीर तिराहे के पास घेराबंदी की। संदिग्ध बाइक को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन बदमाश भागने लगे। इसी दौरान पीछे बैठा एक बदमाश गिर गया, जबकि दो अन्य साथी फरार हो गए।

गिरा हुआ बदमाश पुलिस पर तमंचे से फायर करते हुए भागने लगा, लेकिन पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसे घेरकर पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विशाल सिंह पुत्र ओमकार सिंह उर्फ ओमप्रकाश निवासी मिरशादपुर थाना बदलापुर के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपी के पास से एक तमंचा .315 बोर व एक खोखा कारतूस बरामद किया है। उसके खिलाफ थाना बदलापुर में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है और उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी का लंबा आपराधिक इतिहास है और उसके खिलाफ हत्या, लूट, गैंगस्टर एक्ट सहित कई गंभीर धाराओं में पहले से मुकदमे दर्ज हैं। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है।

शीतला धाम चौकिया में उमड़ा आस्था का सैलाब, 500 मीटर तक लगी श्रद्धालुओं की कतार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शीतला धाम चौकिया मंदिर में नवरात्रि के चौथे दिन आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के चलते महगुपुर से लेकर मंदिर परिसर तक लगभग 500 मीटर लंबी दो कतारों में लोग माता के दर्शन के लिए खड़े नजर आए। पूरे क्षेत्र में ह्लमां शीतलाह्व के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। भीड़ को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। मंदिर परिसर एवं आसपास के इलाकों में पुलिस बल के साथ महिला कांस्टेबलों की भी तैनाती की गई थी। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए पीएसी के जवान भी ड्यूटी पर मौजूद रहे। लाउडस्पीकर के माध्यम से श्रद्धालुओं को लगातार दिशा-निर्देश दिए जाते रहे, जिससे व्यवस्था बनी रही। मंदिर के पंडा परिवार ने भी भीड़ प्रबंधन में अहम भूमिका निभाई। दोपहर करीब 2 बजे तक व्यवस्था काफी हद तक नियंत्रित कर ली गई थी। इस दौरान चौकी प्रभारी राम प्रकाश यादव अपनी टीम के साथ मौके पर डटे रहे और कतारों को सुव्यवस्थित ढंग से आगे बढ़वाते रहे। मंदिर के महंत विवेकानंद पांडा ने बताया कि इस वर्ष नवरात्रि के चौथे दिन अपेक्षा से अधिक भीड़ देखने को मिली। उन्होंने मंदिर परिवार एवं पुलिस प्रशासन का आभार जताते हुए कहा कि सभी के सहयोग से दर्शन-पूजन की व्यवस्था सुचारु रूप से संपन्न कराई गई।

दर्दनाक हादसा : प्रयागराज-जौनपुर हाईवे पर रोडवेज बस ट्रक से टकराई, चालक की मौत, 9 घायल

खुटहन, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रयागराज-जौनपुर हाईवे पर शनिवार तड़के एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें रोडवेज बस खड़े ट्रक से टकरा गई। इस दर्दनाक दुर्घटना में बस चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 9 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सिविल लाइन्स डिपो की रोडवेज बस प्रयागराज से टांडा की ओर करीब 35 से अधिक यात्रियों को लेकर जा रही थी। सुबह लगभग साढ़े पांच बजे जैसे ही बस कोदहूं गांव के पास पहुंची, वह अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। हादसे की सूचना मिलते ही मुंगरा बादशाहपुर थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार तिवारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। घायलों को एंबुलेंस के जरिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मुंगरा बादशाहपुर भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है। एक गंभीर घायल को सीएचसी सतहरिया रेफर किया गया है।

इस हादसे में बस चालक सतीश गुप्ता (45 वर्ष), निवासी बनुआडीह थाना शाहगंज, की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई में जुटी है। चालक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

कलेक्ट्रेट सभागार में निमार्णाधीन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश विधानमंडल की संयुक्त समिति (सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम) द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न विभागों एवं जनपद की निमार्णाधीन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में समिति की सभापति मनीषा अनुरागी तथा सदस्यगण गौरीशंकर वर्मा, मनीष रावत एवं तूफानी सरोज का पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह, इत्र एवं इमरती भेंट कर स्वागत किया गया। बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निर्माण निगम के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। सभापति ने निर्देश दिए कि सेतु निर्माण के साथ एप्रोच मार्गों का निर्माण भी निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ढंग से कराया जाए तथा सड़क सुरक्षा के सभी नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

समिति द्वारा जनपद में निमार्णाधीन पुलों की क्रमवार समीक्षा करते हुए निर्देशित किया गया कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण कराकर उनका समयबद्ध हैंडओवर सुनिश्चित किया जाए, जिससे आमजन को शीघ्र लाभ मिल सके। साथ ही कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावासों में शौचालय, खिड़की एवं दरवाजों की स्थिति का सत्यापन कर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए, ताकि छात्राओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। विद्युत विभाग की समीक्षा के दौरान ट्रांसफार्मर क्षमतावृद्धि एवं मजरों के विद्युतीकरण कार्यों की प्रगति असंतोषजनक पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधार करते हुए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। साथ ही उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के कार्यों में भी तेजी लाने के निर्देश दिए गए। समिति ने निर्देशित किया कि सभी निमार्णाधीन स्थलों पर सीसीटीवी के माध्यम से नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए, जिससे कार्य की प्रगति, श्रमिकों एवं अधिकारियों की उपस्थिति पर नजर रखी जा सके।

बैठक में उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम के एक्सईएन के बिना सूचना अनुपस्थित रहने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए गए। वहीं जल जीवन मिशन के अंतर्गत निमार्णाधीन ओवरहेड टैंक एवं सड़कों की स्थिति की भी समीक्षा करते हुए गुणवत्ता व समयबद्धता पर विशेष जोर दिया गया। सभापति ने निर्देशित किया कि सभी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचे तथा कार्यदायी संस्थाएं अपने कार्यों को मानक, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण करें। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने समिति को आश्वस्त किया कि सभी निदेशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया सहित अन्य जिलास्तरीय अधिकारी एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य शिविर का आयोजन आज मुख्य अतिथि होंगे विधायक रमेश सिंह

खुटहन के सीताराम सिंह इंटर कॉलेज त्रिकोलिया में लगेगा शिविर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर 23 मार्च सोमवार को खुटहन ब्लॉक क्षेत्र के सीताराम सिंह इंटर कॉलेज त्रिकोलिया में स्वास्थ्य परीक्षण एवं जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक रमेश सिंह उपस्थित रहेंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से जारी पत्र के अनुसार, डॉ. रविशंकर सिंह, श्री पैथोलॉजी एंड डायग्नोस्टिक सेंटर, उमरपुर हरिबंधनपुर जौनपुर के सहयोग से यह शिविर आयोजित किया जा रहा है। शिविर में मरीजों के स्वास्थ्य परीक्षण, जांच एवं आवश्यक दवाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। प्रशासन द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि शिविर के सफल आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं। साथ ही स्थानीय स्तर पर अधिक से अधिक लोगों को शिविर का लाभ दिलाने के लिए जागरूकता भी बढ़ाई जाएगी।

वसई-विरार में फेरीवालों पर कार्रवाई, स्थानीय व्यापारियों के लिए राहत की मांग

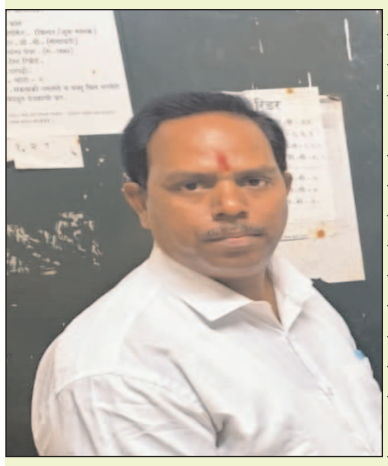

वसई-विरार । वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा हाल ही में फेरीवालों, विशेष रूप से अवैध रूप से काम कर रहे फेरीवालों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की शहरवासियों द्वारा सराहना की जा रही है। इस अभियान के चलते सड़कों पर ट्रैफिक जाम में कमी आई है और फुटपाथ अब आम लोगों के चलने के लिए अधिक सुगम हो गए हैं।

एडवोकेट जितेंद्र पांडे ने इस पहल के लिए निगम आयुक्त का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कदम शहर की व्यवस्था सुधारने में महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। हालांकि, उन्होंने इस कार्रवाई के दौरान छोटे स्थानीय व्यापारियों को हो रही परेशानी की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। उनका कहना है कि फल, सब्जी और माला बेचने वाले कई छोटे विक्रेता पिछले 35 से 40 वर्षों से एक ही स्थान पर अपना व्यवसाय कर रहे हैं और यही उनके परिवार की आजीविका का मुख्य साधन है। ऐसे में उन्हें पूरी तरह से हटाए जाने पर उनके सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो सकता है। एडवोकेट पांडे ने प्रशासन से अपील की है कि इन छोटे व्यापारियों के लिए वैकल्पिक स्थान या कानूनी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि शहर की व्यवस्था भी बनी रहे और इन परिवारों की रोजी-रोटी पर भी असर न पड़े। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रशासन इस मुद्दे पर संवेदनशीलता दिखाते हुए संतुलित और सकारात्मक निर्णय लिया जाय।

जबलपुर में बीच सड़क बस रोककर सवारी बैठाई तो होगा जुमार्ना

जबलपुर। शहर की अराजक यातायात व्यवस्था सुधार करने के लिए प्रशासन ने सक्रियता दिखाई है। दीनदयाल चौक और चुंगी नाका के पास बस रोककर सवारी भरने वाली बसों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। 23 मार्च से परिवहन विभाग सड़क पर बस खड़ा करने वाली बसों के खिलाफ कार्रवाई करेगा। दीनदयाल चौक से चुंगी चौकी तक अनावश्यक रूप से खड़ी होने वाली बसों पर अब सख्ती बरती जाएगी। जिला सड़क सुरक्षा समिति की 18 मार्च को हुई बैठक में लिए गए निर्णय के तहत 23 मार्च से इस मार्ग पर चालानी कार्रवाई शुरू होगी।

बता दें कि करीब अंतरराष्ट्रीय बस अड्डा है, फिर भी बस मालिक सड़क पर बस को खड़ा कर सवारी भरते हैं। कई लग्जरी बसें तो स्टैंड के भीतर जाती भी नहीं हैं, सीधे सड़क से सवारी उठाकर निकल जाती हैं। बसों की धमाचौकड़ी से जाम लोगों के लिए सिरदर्द बना रहता है। नजदीक ही पुलिस चौकी है जहाँ हर समय पुलिस तैनाती रहती है, इसके बावजूद किसी तरह की रोकटोक

नहीं होती है। रविवार को आईएसबीटी बस स्टैंड पर उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) गढ़ा, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी तथा जेसीटीएसएल के अतिरिक्त सीईओ ने बस ऑपरेटर एसोसिएशन के साथ बैठक कर व्यवस्था सुधार पर चर्चा की। बैठक में स्पष्ट किया गया कि मार्ग पर बसों के बेतरतीब खड़े होने से यातायात प्रभावित हो रहा है, जिसे हर हाल में रोका जाएगा। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि दीनदयाल चौक से चुंगी चौकी के बीच सड़क पर अनावश्यक रूप से खड़ी बसों के विरुद्ध नियमानुसार चालानी कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए यातायात पुलिस और परिवहन विभाग संयुक्त रूप से अभियान चलाएंगे। प्रशासन ने वाहन स्वामियों को चेतावनी दी है कि निर्धारित स्थानों के अलावा बस खड़ी करने पर सीधे कार्रवाई होगी। अधिकारियों ने कहा कि इस कदम से मार्ग पर यातायात सुगम होगा और जाम की समस्या में कमी आएगी।

चाय-पान के सजे टपरे - दीनदयाल चौराहा के आसपास बड़ी संख्या में चाय-पान से लेकर फल-फूल के टपरे सजे हुए हैं। बची हुई कसर ई-रिक्शा चालक पूरी कर देते हैं। यहाँ निकासी सुलभ करने सर्विस रोड भी बनाई गई थी, जिस पर दोनों तरफ अवैध टपरों का जमावड़ा बना हुआ है। यहाँ का लेफ्ट टर्न भी अतिक्रमण की जद में है। चाय-पान, चाट-फुल्की के अनगिनत टपरे होने के कारण ग्राहकों के वाहन सड़क पर ही पार्क हो रहे हैं। इसी तरह फल और सब्जी ठेला वाले टर्न के मुहाने में ही ठेला लगाकर खड़े हो जाते हैं। अतिक्रमणयुक्त लेफ्ट टर्न में दोपहिया वाहन चालक बड़ी मशक्कत के बाद निकलने का प्रयास कर लेता है, लेकिन कार या अन्य फोर-व्हीलर वाहन वाले बगैर परेशानी के चौराहा क्रॉस नहीं कर पा रहे हैं। चौराहे में लगातार जाम - दीनदयाल चौराहे में सुबह 3 बजे से दर्जनों ऑटो खड़े रहते हैं। दीनदयाल चौराहा से कटनी, सिवनी, सागर, दमोह, मंडला, डिंडौरी की ओर जाने वाली बसें अतिक्रमण के चलते दीनदयाल क्षेत्र में रेंगती रहती हैं। चौराहा के पास 50 कदम की दूरी में माढ़ोताल थाना की पुलिस चौकी है। चौराहा से 20 कदम की दूरी में ट्रैफिक से संबंधित फिक्स चेक पोस्ट है और 100 मीटर की दूरी पर थाना विजयनगर है, इसके बावजूद यातायात सुगम नहीं बन पा रहा है।

निम्मी दोशी को महिला एवं बाल कल्याण समिति में सदस्य पद पर नियुक्ति

वसई-विरार। वसई-विरार महानगर पालिका के वार्ड नंबर 23 की कॉर्पोरेटर श्रीमती निम्मी दोशी को वसई विरार म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की महिला एवं बाल कल्याण समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति से भारतीय जनता पार्टी के वसई वार्ड 23 के कार्यकर्ताओं, व्यापारियों और पदाधिकारियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। इस अवसर पर वार्ड नंबर 97 के कार्यकर्ता कल्पेश चौहान, लालजी कनोजिया, बबीता शर्मा, रूमा शर्मा, प्रिया प्रेमलवर, जयश्री बेन सहित कई व्यापारी पदाधिकारियों ने श्रीमती दोशी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उनके इस नए दायित्व के लिए विभिन्न स्थानों से अभिनंदन संदेश भी प्राप्त हो रहे हैं। वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने भी पूरे परिवार के साथ श्रीमती निम्मी दोशी का अभिनंदन किया। वहीं समाजसेवक निपुण दोशी ने भी उन्हें शुभेच्छाएं देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

उद्योगपति व भाजपा नेता ठाकुर संतोष सिंह का जन्मदिन मनाया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आरएस ग्रुप आफ कंपनी के चेयरमैन व भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के महाराष्ट्र प्रदेश सचिव ठाकुर संतोष सिंह का जन्मदिन आज विद्या विहार स्थित उनके कार्यालय पर बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उनके सगे-संबंधियों, मित्रों और पार्टी कार्यकताओं की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी खास बना दिया।

कार्यक्रम के दौरान कार्यालय को आकर्षक ढंग से सजाया गया था और केक काटकर जन्मदिन का शुभारंभ किया गया। उपस्थित सभी लोगों ने ठाकुर संतोष सिंह को जन्मदिन की बधाई दी और उनके स्वस्थ, सफल एवं उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की।

इस मौके पर भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे। इनमें प्रमुख रूप से सुभाष विश्वकर्मा वरिष्ठ भाजपा नेता, सुरेंद्र यादव (चांदीवली विधानसभा अध्यक्ष, उत्तर भारतीय मोर्चा), राजकुमार दीक्षित, वरिष्ठ भाजपा नेता विनोद तिवारी, वीरेंद्र दुबे (उत्तर भारतीय मोर्चा महामंत्री, मुंबई) तथा अखिलेश तिवारी (राष्ट्रीय संगठन, शिवसेना), अखिलेश तिवारी, अड़ मिंटू गौड़, प्रमोद सिंह, हरिकेश जयसवाल, ठाकुर रितेश सिंह शामिल रहे। नेताओं ने अपने संबोधन में ठाकुर संतोष सिंह के संगठनात्मक कौशल, पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा और समाजसेवा के प्रति उनके समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि संतोष सिंह ने अपने कार्यों से पार्टी को मजबूती प्रदान की है और कार्यकताओं के बीच एक मजबूत नेतृत्व स्थापित किया है।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई थी, जहां आपसी मेल-जोल और बातचीत का दौर देर तक चलता रहा। यह आयोजन न केवल एक जन्मदिन समारोह था, बल्कि पार्टी कार्यकताओं के बीच एकजुटता और आपसी सहयोग का भी प्रतीक बनकर सामने आया।

कीटनाशक के सेवन से अधेड़ की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र में कीटनाशक खाकर कर एक ने जान दे दिया। घटना उक्त थाना क्षेत्र के ग्राम ककोरगहना की है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गांव निवासी दल सिंगार उम्र लगभग पचास साल पुत्र स्व. जयराम ने शनिवार रात लगभग आठ बजे शराब के नशे में चूर होकर अपने घर पर पहुंचा। घर पहुंचने पर उसने काफी देर तक इधर-उधर करने के बाद में कीटनाशक का सेवन कर लिया। कीटनाशक खानें के बाद में ही जब उसकी हालत बिगड़ने लगी। उसकी बिगड़ती दशा को देखकर परिवार के लोग उसे सदर अस्पताल ले गये। सदर अस्पताल में उपचार के लगभग दो घंटे बाद में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

महाराष्ट्र महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकनकर ने दिया इस्तीफा

वसई। महाराष्ट्र के नासिक के भोंदू बाबा अशोक खरात के केस की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, मामला और भी गहराता जा रहा है। महाराष्ट्र की पॉलिटिक्स में भूचाल लाने वाले इस केस में महिला आयोग की चेयरपर्सन रूपाली चाकणकर अध्यक्ष नहीं रहीं। अब नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी की महाराष्ट्र यूनिट की महिला महाराष्ट्र महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकनकर ने दिया इस्तीफा। महाराष्ट्र के नासिक के भोंदू बाबा अशोक खरात के केस की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, मामला और भी गहराता जा रहा है। महाराष्ट्र की पॉलिटिक्स में भूचाल लाने वाले इस केस में महिला आयोग की चेयरपर्सन रूपाली चाकणकर अध्यक्ष नहीं रहीं। अब नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी की महाराष्ट्र यूनिट की महिला मोर्चा की स्टेट प्रेसिडेंट भी मुश्किल में हैं। रूपाली चाकणकर अशोक खरात के ऑर्गनाइजेशन 'श्री शिवनिका संस्थान मिरगांव' की मेंबर हैं। इस केस में उनके खिलाफ केस दर्ज होना चाहिए। उन्हें अशोक खरात के साथ महिलाओं के सेक्शुअल एक्सप्लॉइटेशन, ब्लैकमेलिंग के लिए को-आरोपी बनाया जाना गया लगता है। यह मांग सुषमा अंधारे और अंजलि दमानिया कर रही हैं।मोर्चा की स्टेट प्रेसिडेंट भी मुश्किल में हैं। रूपाली चाकणकर अशोक खरात के ऑर्गनाइजेशन 'श्री शिवनिका संस्थान मिरगांव' की मेंबर हैं। इस केस में उनके खिलाफ केस दर्ज होना चाहिए। उन्हें अशोक खरात के साथ महिलाओं के सेक्शुअल एक्सप्लॉइटेशन, ब्लैकमेलिंग के लिए को-आरोपी बनाया जाना गया लगता है। यह मांग सुषमा अंधारे और अंजलि दमानिया कर रही हैं।

माँ एकवीरा देवी भक्त मंडल द्वारा भव्य पालखी पदयात्रा समारोह

मुंबई। शनिवार को माता एकवीरा मौली की कृपा से, आपको और आपके परिवार को मुलुंड से श्री क्षेत्र कार्ला लोनावला तक आयोजित होने वाली पालकी पदयात्रा में उपस्थित रहे। यह पदयात्रा शनिवार, 21 मार्च, 2026 को शाम 4:00 बजे से शुरू हुई ।इस पदयात्रा में चरण सिंह सप्रा(पूर्व एम.एल. ए.) प्रकाश गंगाधरे, कौशिक पाटिल,दीपिका घाघ(नगरसेवक), डॉ सचिन सिंह,कैलाश पाटिल, कमलेश पाटिल, जीतेन्द्र महत्रे, किशोर मुंडेकल एवं राजन भोसले उपस्थित रहे। यह पदयात्रा श्री तुंगवतेश्वर मंदिर, राजे संभाजी पार्क, मुलुंड पूर्व से माता की कृपा, ढोल की थाप और बैंड की ध्वनि के साथ प्रारंभ हुई। साथ ही, माता एकवीरा मौली के दर्शन भी मिला और पदयात्रा में भाग लेने वाले अन्य लोगों से आशीर्वाद भी प्राप्त किए।

कोटा में महिला का शव मिला, एक दिन पहले आया किराएदार भी गायब

कोटा। राजस्थान के कोटा जिले में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां गणेश नगर इलाके के एक घर में महिला का शव मिला है। महिला की पहचान 50 वर्षीय बृजेश शर्मा के रूप में हुई है, और परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। महिला के शव के मिलने से इलाके में दहशत फैल गई है। पुलिस ने घटनास्थल पर एफएसएल और एमओबी टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए हैं, और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। राकेश शर्मा, महिला के बेटे ने बताया कि वह घटना के समय बारां में थे और उन्हें फोन पर घटना की जानकारी मिली। उन्होंने मामले की पूरी जांच की मांग की है। प्रशिक्षु आईपीएस सिद्धार्थ श्रीवास्तव ने बताया कि बृजेश शर्मा अकेले दूसरी मंजिल पर रहती थीं, जबकि ग्राउंड और पहले फ्लोर पर किराएदार रहते थे। घटना के दिन, जब दूध वाला महिला के घर आया तो उसने दरवाजा नहीं खोला, जिसके बाद स्थिति संदिग्ध हुई। जांच में पता चला कि महिला के शरीर पर कोई बड़ी चोट के निशान नहीं थे, लेकिन पुराने चोट के निशान हो सकते हैं। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। आश्चर्यजनक बात यह है कि घटना के एक दिन पहले, शनिवार को कोई नया किराएदार उनके घर आया था और रविवार को वह बिना कोई सूचना दिए अपने सामान के साथ चला गया है। इस किराएदार का वेरिफिकेशन भी नहीं किया गया था, जिससे मामला और भी संदिग्ध हो गया है। पुलिस ने इस किराएदार के बारे में जानकारी जुटाने के लिए जांच शुरू कर दी है। वहीं, जयपुर के हरमाड़ा इलाके में भी एक युवक का शव संदिग्ध हालत में मिला। 31 वर्षीय विजेंद्र सैनी नामक युवक, जो कि एक फैक्ट्री में काम करता था, शनिवार को बिना बताए घर से बाहर गया था और रविवार को उसका शव पहाड़ी पर मिला। प्रारंभिक जांच में उसकी मौत को खुदकुशी के तौर पर देखा जा रहा है, लेकिन पुलिस जांच कर रही है कि क्या कोई और कारण हो सकता है। इस घटना ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल खड़े कर दिए हैं, और अब देखना यह है कि क्या प्रशासन इन मामलों की सही तरीके से जांच करता है और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाता है।

अल्केम लैबोरेटरीज ने सेमाग्लूटाइड इंजेक्शन लॉन्च किया

मुंबई। अल्केम लैबोरेटरीज लिमिटेड ने भारत में सेमाग्लूटाइड इंजेक्शन लॉन्च किया है, जो 'सेमासाइज', 'ओबेसेमा' और 'हेपाग्लाइड' ब्रांड नामों में उपलब्ध है। यह दवा सप्ताह में एक बार सबक्यूटेनियम इंजेक्शन के रूप में दी जाती है। कंपनी ने सेमाग्लूटाइड का प्री-फिल्ड डिस्पोजेबल इंजेक्शन पेन 1,800 रुपये प्रति माह की शुरूआती कीमत पर लॉन्च किया है, यानी इसकी साप्ताहिक लागत लगभग 450 रुपये पड़ती है। किफायती कीमत के जरिए कंपनी का उद्देश्य इस थेरेपी तक अधिक लोगों की पहुंच आसान बनाना है। अल्केम को भारत के लिए किए गए इसके फेज 3 क्लिनिकल ट्रायल्स समीक्षा के बाद ड्रैग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) से मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने इसे टाइप 2 डायबिटीज और दीर्घकालिक वजन प्रबंधन के लिए, डाइट और एक्सरसाइज के साथ सहायक उपचार के रूप में बाजार में लाने की मंजूरी मिली है। यह दवा प्रिस्क्रिप्शन पर आधारित है और इसे डॉक्टर की सलाह एवं निगरानी में ही लेना चाहिए। डिस्पोजेबल पेन के अलावा, कंपनी हायर मेंटेनेंस डोज के लिए रीयूजेबल इंजेक्शन पेन भी उपलब्ध करा रही है। इस रीयूजेबल पेन में हर बार नया पेन खरीदने के बजाय केवल दवा की कार्ट्रिज बदलनी होती है, जिससे लागत काम होती है और मरीजों के लिए इलाज जारी रखना आसान होता है। लॉन्च पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अल्केम के सीईओ डॉ. विकास गुप्ता ने कहा, ₹हमारा मानना है कि चिकित्सा क्षेत्र में प्रगति का असली असर तब दिखता है, जब वह आम लोगों तक आसानी से पहुंच सके। अपने देश में विकसित सेमाग्लूटाइड के जरिए हम एक गुणवत्तापूर्वक और किफायती विकल्प लेकर आए हैं, जिससे अधिक मरीज इस थेरेपी का लाभ उठा सकें। हमारे मजबूत वितरण नेटवर्क और उपयोग में आसान डिवाइस के माध्यम से हम इस उपचार को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने और बेहतर स्वास्थ्य परिणामों में योगदान देने का प्रयास कर रहे हैं।

कंपनी ने गर्भवती कर्मचारी को नहीं दिया वर्क फ्रॉम होम, अब भरना पड़ेगा 200 करोड़ का जुर्माना

नेशनल। एक कंपनी को अपनी गर्भवती कर्मचारी के साथ लापरवाही बरतने के मामले में भारी कीमत चुकानी पड़ी है।अमेरिका में कोर्ट ने कंपनी को करीब 22.5 मिलियन डॉलर (लगभग 200 करोड़ रुपये) का मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह मामला चेल्सी वॉल्श नाम की महिला से जुड़ा है, जो टोटल क्वालिटी लॉजिस्टिक्स में काम करती थीं। चेल्सी की प्रेग्नेंसी हाई-रिस्क थी और डॉक्टरों ने उन्हें ज्यादा आराम करने की सलाह दी थी। उन्होंने कंपनी से वर्क फ्रॉम होम की अनुमति मांगी, लेकिन कंपनी ने यह कहते हुए इनकार कर दिया कि या तो वह ऑफिस आकर काम करें या बिना वेतन की छुट्टी लें। बिना वेतन छुट्टी लेने का मतलब था उनकी आय और हेल्थ इंश्योरेंस खत्म होना, इसलिए मजबूरी में उन्होंने ऑफिस जाकर काम जारी रखा। कुछ ही दिनों बाद उन्हें समय से पहले प्रसव पीड़ा हुई और उन्होंने एक बच्ची को जन्म दिया, लेकिन जन्म के कुछ घंटों बाद ही बच्ची की मौत हो गई। यह प्रीमैच्योर डिलीवरी थी, जो तय समय से करीब 18 हफ्ते पहले हुई थी। इसके बाद चेल्सी ने कंपनी के खिलाफ मुकदमा दायर किया और उसे इस त्रासदी के लिए जिम्मेदार ठहराया। जूरी ने महिला के पक्ष में फैसला सुनाते हुए कंपनी को दोषी माना और भारी जुमार्ना लगाया। यह फैसला कर्मचारियों के अधिकारों, खासकर गर्भवती महिलाओं की सुरक्षा और सुविधा को लेकर एक महत्वपूर्ण मिसाल माना जा रहा है।

महाराष्ट्र राज्य बजट 2026 को लेकर पत्रकार परिषद का आयोजन

पालघर। पालघर में महाराष्ट्र राज्य बजट 2026 के संबंध में जानकारी देने हेतु एक महत्वपूर्ण पत्रकार परिषद का आयोजन किया गया। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस राज्य के वन मंत्री एवं पालघर जिले के पालकमंत्री गणेश नाइक की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस अवसर पर राज्य बजट 2026 के विभिन्न महत्वपूर्ण प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। आम नागरिकों के लिए लागू की गई क ल्याणकारी योजनाओं, बुनियादी ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) के विकास हेतु किए गए प्रावधानों तथा पालघर जिले के समग्र विकास के लिए निर्धारित विशेष योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि राज्य सरकार जिले के तेज विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस कार्यक्रम में पालघर के सांसद डॉ. हेमंत सावरा विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञा ताई पाटिल, नालासोपारा के विधायक राजन नाइक, वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित, नेता प्रतिपक्ष मनोज पाटिल, समूह नेता अशोक शेलके तथा महेंद्र पाटिल भी मौजूद रहे। पत्रकारों से संवाद करते हुए यह भी बताया गया कि सरकार की योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। इस समन्वय के माध्यम से सरकारी योजनाओं और निर्णयों को अधिक पारदर्शी तरीके से आम जनता तक पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है।

अपनी ही सरकार के खिलाफ धरने पर बैठे विधायक

भिंड। मध्य प्रदेश के लहार से बीजेपी विधायक अमरीश शर्मा अपनी ही सरकार और जिला प्रशासन के खिलाफ धरने पर बैठ गए हैं। विधायक सैकड़ों कार्यकताओं के साथ अनुसूचित जाति समाज के लोगों के आम रास्ते पर हुए कथित अवैध कब्जे को हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

विधायक का कहना है कि उन्हें जनता दरबार के दौरान जानकारी मिली कि पिछले दो वर्षों से अनुसूचित जाति के लोग इस रास्ते से अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं, लेकिन अब तक उन्हें न्याय नहीं मिला। इसी के समर्थन में वे खुद धरने पर बैठ गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी लोगों की समस्याएं सुनते तो हैं, लेकिन उन्हें उच्च स्तर तक नहीं पहुंचाते, जिससे समस्याएं जस की तस बनी रहती हैं। विधायक ने यह भी दावा किया कि इस मामले में ग्वालियर हाईकोर्ट द्वारा पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह को कोई स्टे नहीं दिया गया है, इसके बावजूद अवैध कब्जा नहीं हटाया जा रहा। विधायक ने बिजली विभाग पर भी नाराजगी जताते हुए कहा कि लहार क्षेत्र के कई गांवों की बिजली काट दी गई है और रेत खदानों को बंद कर दिया गया है, जिससे आम लोग परेशान हैं। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि वे पिछले 35 साल से एक राक्षस से लड़ते आ रहे हैं और अधिकारी उनके सामने कुछ भी नहीं हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि फूंक दिया तो पाकिस्तान जाकर गिरोगे, जिससे बयान को लेकर सियासी माहौल और गरमा गया है। विधायक ने अधिकारियों से कहा कि उनके धैर्य को कमजोरी न समझें। साथ ही मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से अपील करते हुए कहा कि वे पार्टी के सिपाही हैं, लेकिन अब अत्याचार सहने की सीमा खत्म हो चुकी है। फिलहाल, इस धरने के बाद क्षेत्र में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है और मामले ने तूल पकड़ लिया है।

वसई में इंटरनेशनल विमेंस डे पर महिलाओं की आवाज बुलंद

वसई । वसई पश्चिम स्थित न्यू इंग्लिश स्कूल में नेशनल डोमेस्टिक वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा आयोजित इंटरनेशनल विमेंस डे कार्यक्रम उत्साह और प्रेरणा से भरपूर माहौल में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने भाग लिया और महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना। कार्यक्रम में घरेलू कामगार और मछुआरा समुदाय की महिलाओं ने अपनी विभिन्न मांगों को मजबूती से सामने रखा। प्रमुख मांगों में घरेलू कामगार महिलाओं के लिए न्यूनतम वेतन कानून लागू करना, उनके खिलाफ होने वाले अत्याचारों पर सख्त कानून बनाना, पहचान पत्रों का नियमित नवीनीकरण, सामाजिक सुरक्षा और पेंशन योजना शामिल थीं। मछुआरा महिलाओं ने भी अपनी

समस्याएं रखते हुए मांग की कि उन्हें डोंबिवली में मछली बेचने के लिए नगर निगम द्वारा उचित स्थान और सरकारी रसीदें दी जाएं। साथ ही बाजारों में टैक्स बोर्ड लगाए जाएं ताकि उनसे गलत तरीके से वसूली न हो सके।

कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और समाज में महिलाओं की बढ़ती भूमिका पर कई वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। महिलाओं के समग्र विकास के लिए ऐसे आयोजनों की आवश्यकता पर जोर दिया गया। इस अवसर पर अभिलाषा वर्तक, श्रद्धा मोरे, कविता चौधरी, अनीता लोगे, मंगला मांजरेकर, रूपाली वर्तक, सीमा काले सहित क्रिश्चियन मैरी सिस्टर्स और बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम ने महिलाओं में नए उत्साह और आत्मविश्वास का संचार किया।

होंडा ने दोपहिया उत्पादन क्षमता बढ़ाने की दिशा में कदम बढ़ाया

रांची। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्रा. लि. ने देश में बढ़ती दोपहिया वाहन मांग को देखते हुए अपनी उत्पादन क्षमता विस्तार की घोषणा की है। कंपनी राजस्थान के अलवर ज़िले स्थित टपूकड़ा प्लांट में तीसरी नई प्रोडक्शन लाइन स्थापित कर रही है। यह नई प्रोडक्शन लाइन वर्ष 2028 तक शुरू होने की योजना है, जिसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 6,70,000 यूनिट होगी। इसके साथ ही प्लांट की कुल क्षमता बढ़कर 20.1 लाख यूनिट प्रति वर्ष हो जाएगी। कंपनी के अनुसार, इस विस्तार से 2,000 से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे, जिससे क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा। इस मौके पर कंपनी के प्रेसिडेंट एवं सीईओ त्सुत्सुमु ओटानी ने कहा कि भारत मोबिलिटी परिवर्तन के नए दौर में प्रवेश कर रहा है और कंपनी इस दिशा में अपनी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है।

इन्दिरा आईवीएफ के नये फर्टिलिटी क्लिनिक का समस्तीपुर में शुभारंभ

समस्तीपुर। भारत की अग्रणी आईवीएफ चेन इन्दिरा आईवीएफ ने समस्तीपुर में अपने नए फर्टिलिटी क्लिनिक का उद्घाटन किया है। यह शुरूआत क्षेत्र में संगठित, सम्पूर्ण और तकनीकी रूप से सक्षम फर्टिलिटी केयर तक पहुंच को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह क्लिनिक फर्स्ट फ्लोर, डॉ. के. पी. सिंह टावर, मोंटे कार्लो शोरूम के सामने, मोहनपुर मेन रोड समस्तीपुर, बिहार में शुरू किया गया है। फर्टिलिटी और असिस्टेड रिप्रोडक्टिव सर्विसेज की सम्पूर्ण सुविधाओं से सुसज्जित यह सेंटर रोगियों को इन्दिरा आईवीएफ के स्टेण्डर्ड क्लिनिकल प्रोटोकॉल और लेबोरेटरी सिस्टम के माध्यम से उपचार सेवाएं प्रदान करेगा। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आईएएस जिला कलेक्टर व जिला मजिस्ट्रेट समस्तीपुर रोशन कुशवाहा का सानिध्य प्राप्त हुआ। समारोह में आईएमए प्रेसिडेंट समस्तीपुर डॉ. जी. सी. कर्ण, अपोलो डेंटल हॉस्पिटल समस्तीपुर के निदेशक डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार, सदर हॉस्पिटल, समस्तीपुर के उपाधीक्षक डॉ. गिरीश कुमार तथा मातृका मंजुला नर्सिंग होम की निदेशक डॉ. मंजुला विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इनके साथ इन्दिरा आईवीएफ बिहार हेड व पटना मेन ब्रांच सेंटर हेड डॉ. दयानिधि कुमार, इन्दिरा आईवीएफ मुजफ्फरपुर सेंटर हेड डॉ. श्रुति बंका, सेंटर हेड समस्तीपुर डॉ. स्नेह लता सहित संस्थान के कई सीनियर प्रतिनिधि व मेडिकल एक्सपर्ट मौजूद रहे।

उद्घाटन के अवसर पर संबोधित करते हुए आईएएस जिला कलेक्टर व जिला मजिस्ट्रेट समस्तीपुर रोशन कुशवाहा ने कहा कि जिला सेंटर्स में हेल्थकेयर सर्विसेज का विस्तार समय पर उपचार तक पहुंच को सुधारने के लिए महत्वपूर्ण है। समस्तीपुर में इस फर्टिलिटी क्लिनिक का उद्घाटन दंपतियों को उनके घर के निकट मेडिकल कन्सल्टेशन और फर्टिलिटी केयर प्राप्त करने में मदद करेगा, साथ ही ऐसी सेवाओं के लिए बड़े शहरों की यात्रा करने की समस्या को कम करेगा। विस्तार पर जोर देते हुए इन्दिरा आईवीएफ हॉस्पिटल लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर नितिज मुर्डिया ने कहा कि समस्तीपुर में हमारे क्लिनिक का उद्घाटन भारत के विभिन्न शहरों में संगठित फर्टिलिटी सेवाओं के विस्तार की हमारी निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

इन्दिरा आईवीएफ हर सेंटर में समान क्लिनिकल प्रोटोकॉल और स्टेबलिश्ड लेबोरेटरी प्रोसेस का पालन करता है, जिससे देशभर के सभी सेंटर्स में उपचार की गुणवत्ता और मरीज देखभाल के एक समान स्टेण्डर्ड सुनिश्चित होते हैं।

आईएमए प्रेसिडेंट समस्तीपुर डॉ. जी. सी. कर्ण ने कहा कि निःसंतानता एक मेडिकल समस्या है, जिसके लिए समय पर डायग्नोसिस और एविडेंस बेस्ड उपचार आवश्यक है। समस्तीपुर में एक सम्पूर्ण व संगठित फर्टिलिटी क्लिनिक की उपलब्धता जिले के मरीजों के लिए जागरूकता बढ़ाने, समय पर मेडिकल सहायता और रिप्रोडक्टिव केयर तक पहुंच बेहतर करेगी।